बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पहुंचने पर भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनकी आगवानी की।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्षः29 अंकः 94 दिनांकः06-08-2024 मंगलवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 वडोदरा M

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बांग्लादेश के मौजूदा हालातों को लेकर प्रधानमंत्री आवास बैठक कर रहे हैं। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और इश्ध के अधिकारी मौजूद हैं।

अमेरिकी चिंगारी से भारत में निवेशकों के 17 लाख करोड़ रुपये स्वाहा

शेयर बाजार टूटा , सेंसेक्स 2222 अंक नीचे आया, निफ्टी 663 अंक फिसला

मुम्बई (ईएमएस)। अमेरिका ने शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद नौकरी से जुड़े आंकड़े जारी किए। इसके मुताबिक देश में जुलाई में लोगों को उम्मीद के मुताबिक नौकरियां नहीं मिली और बेरोजगारी दर तीन साल के शीर्ष पर पहुंच गई। इससे अमेरिका में फिर मंदी की आशंका तेज हो गई है। सोमवार को दुनियाभर के शेयर बाजारों में इसका असर दिख रहा है। भारत में बीएसई सेंसेक्स में कारोबार के दौरान करीब 2,600 अंक की गिरावट आई और निवेशकों के 17 लाख करोड़ रुपये एक झटके में स्वाहा हो गए। जापान के शेयर मार्केट में इतिहास की सबसे बड़ी गिरावट दिखाई दी है। बेंचमार्क निक्केई 225 इंडेक्स 4,451 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। यह अंक के हिसाब से इसकी अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। जापान और साउथ कोरिया में भारी गिरावट के बीच कुछ समय के लिए ट्रेडिंग रोकनी पड़ी। एशिया-पैसिफिक के दूसरे बाजारों में भी भारी गिरावट देखने को मिली। कोरिया एक्सचेंज के बेंचमार्क कोस्पी में आठ फीसदी से ज्यादा गिरावट के बाद कुछ देर के लिए ट्रेडिंग रोकनी पड़ी। ताइवान का ताइपे इंडेक्स भी 8.4 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जो इसकी अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। हॉन्ग कॉन्ग के हैंगसैंग इंडेक्स में 2.6 प्रतिशत और चीन के शंघाई में 1.2 प्रतिशत गिरावट आई है।

शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार में भी भारी गिरावट देखने को मिली। जॉब्स के निराशाजनक आंकड़ों से अमेरिकी इकॉनमी के कमजोर पड़ने की आशंका बन रही है। घूरेल शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट रही। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों विशेषकर अमेरिका के नीचे आने और बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे निवेशकों में भय का माहौल छा गया जिससे विदेशी कोषों की निकासी होने लगी। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2,393.77 अंक टूकर 78,588.19 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 662.85 अंक नीचे आकर 24,302.85 पर बंद हुआ। इससे निशेवकों के कई लाख करोड़ रुपये डूब गये वहीं एशियाई बाजारों में भी काफी गिरावट रही। दक्षिण कोरिया, ताइवान और ऑस्ट्रेलिया सहित अन्य एशियाई बाजारों में 2.5 फीसदी से 7फीसदी तक की गिरावट देखी गई।

बाजार जानकारों के अनुसार येन के व्यापार में कमी, भू-राजनीतिक तनाव और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में कथित मंदी जैसे कारकों के कारण भारतीय बाजार पर दबाव आया। इसके अलावा मुद्रास्फीति के मामले और सितंबर में फेडरल रिजर्व दर में कटौती की उम्मीदों से भी बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है हालांकि कहा जा रहा है कि बाजार इस कठिन दौर से उबर जाएगा। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई में महत्वपूर्ण निवेश के बाद इक्विटी में 1,027 करोड़ की बिक्री करते हुए अगस्त की शुरुआत में काफी सतर्कता बरती है।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी और विदेशी निवेशकों की बिकवाली की आशंकाओं को देखते हुए वैश्विक बाजारों में बड़ी गिरावट की वजह से भारतीय शेयर बाजार खुलते ही टूट गये। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 2401.49 अंक गिरकर 78,580.46 पर पहुंच गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 489.65 अंकका गोता लगाकर 24,228.05 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, अदाणी पोर्ट्स, मारुति और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में सबसे ज्यादा गिरावट आई। शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली के बावजूद सन फार्मा और हिंदुस्तान यूनि लीवर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे

जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर दिखे घुसपैठिये, सेना ने बरसाईं गोलियां, तलाश शुरु

श्रीनगर,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर एलओसी के पास रविवार देर रात संदिग्ध घुसपैठियों की गतिविधि की सूचना मिलते ही सेना के जवानों ने उन पर गोलीबारी की। दूसरी तरफ से गोलीबारी की कोई सूचना नहीं है, लेकिन सीमा पार से घुसपैठ की किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए अखनूर और सुंदरबनी सेक्टर में बड़े पैमाने पर तलाश अभियान शुरू किया गया है।

अधिकारियों के मुताबिक जम्मू के बाहरी इलाके अखनूर के बट्टल सेक्टर में रात करीब डेढ़ बजे तीन से चार घुसपैठियों की संदिग्ध गतिविधि देखी गई, जिसके बाद सेना के जवानों ने उन पर गोलियां दागीं। रात में इलाके में ड्रोन के जरिये निगरानी की गई और कड़ी घेराबंदी के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। सुबह होते ही तलाश अभियान शुरू कर दिया गया है।

अधिकारियों के मुताबिक सेना के जवानों ने राजौरी जिले के सुंदरबनी-नौशेरा सेक्टर में संदिग्ध गतिविधि देखी, जिसके बाद उन्होंने कई राउंड गोलियां चलाईं। अधिकारियों ने बताया कि एलओसी से सटे इलाके में तलाश अभियान जारी है। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद-370 को रद्द किए जाने के पांच साल सोमवार को पूरे हो गए, जिसके मद्देनजर केंद्र-शासित प्रदेश में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

अयोध्या केस पर अखिलेश.....सपा को बदनाम करने में जुटी भाजपा

लखनऊ (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने अयोध्या सामूहिक बलात्कार मामले में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर साजिश का आरोप लगाया। श्री यादव ने कहा कि भाजपा चुनाव से पहले एक साजिश शुरू करना चाहती है। उनका लक्ष्य पहले दिन से ही सपा को बदनाम करना रहा है और खासकर मुसलमानों के बारे में उनकी सोच अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आलोचना कर यादव ने कहा, यदि कोई योगी लोकतंत्र और संविधान में विश्वास नहीं करता है, तब वह योगी नहीं हो सकता।

सपा नेता ने कहा कि मैं आपको तीन घटनाओं का उदाहरण देना चाहता हूं। पहली घटना हाथरस की है, इसमें बीजेपी विधायकों और नेताओं ने एक साधु के कार्यक्रम की अनुमति के लिए पत्र लिखा था। लेकिन प्रशासन ने ठीक से इंतजाम नहीं किए और नतीजा यह हुआ कि बड़ी संख्या में लोगों की जान गई। दूसरी बात, गोमती नगर में पुलिस ने पूरी लिस्ट दी थी लेकिन बीजेपी के सीएम और सरकार चाहती है कि पुलिस बीजेपी की कार्यकर्ता बन जाए। जब पुलिस ने सभी नामों की सूची दी, तब सीएम ने सिर्फ यादवों और मुसलमानों के नाम ही क्यों लिए?

पूर्व सीएम अखिलेश ने कहा कि जिस यादव का नाम आया था, सुनने में आ रहा है कि वह कैमरे के फुटेज में था ही नहीं। वह चाय पीने गये थे और पुलिस को एक यादव मिल गया, इसलिए उन्हें जेल भेज दिया गया। मैं आपको बताना चाहता हूं कि इसतरह के लोग जो कानून का उल्लंघन कर रहे हैं और भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहे हैं, जब भी प्रदेश में (सपा) सरकार आएगी, तब इन अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। और तीसरा उदाहरण अयोध्या का है।

उन्होंने कहा कि यह उनका (यूपी सरकार) 2023 का संशोधित कानून है, जिसमें कहा गया है कि अगर किसी के लिए 7 साल से ज्यादा की सजा का प्रावधान है, तब डीएनए टेस्ट कराया जाना चाहिए, तब इस मांग में क्या गलत है और उनके परिवार के सदस्य भी हैं कह रहे हैं और पुलिस सच जानती है। वे कितना भी कुछ कर लें, जनता को उनसे कोई उम्मीद नहीं है।

दाल की कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। लगभग साल भर परेशान करने के बाद दाल की कीमतों में अब गिरावट देखने को मिल रही है। ऐसे में कहा जा रहा है कि आने वाले महीनों में दालों की कीमतों में और गिरावट आ सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया है कि पिछले एक महीने से देश की विभिन्न मंडियों में दाल की कीमतों में गिरावट आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक चना, तुअर और उड़द जैसी दालों के दाम कम हो रहे हैं। जनवरी में दालों की खुदरा महंगाई दर 19.54 फीसदी पर थी, जो जून में कम होकर 16.07 फीसदी पर आ गई है। उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक अरहर दाल की खुदरा कीमतें कम होकर 160 रुपये किलो दर्ज की गई। जो ?कि एक महीने पहले की तुलना में 5.8 फीसदी कम है। इसी तरह मसूर दाल एक महीने पहले की तुलना में 10 फीसदी सस्ती होकर 90 रुपये किलो दर्ज की गई।

वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक इसी सप्ताह पेश कर सकती हैं मोदी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। देशभर में वक्फ बोर्ड (संशोधन) के प्रस्तावित विधेयक को लेकर चल रही चर्चाओं जारी है, अब खबर आ रही हैं कि मोदी सरकार इससे संबंधित विधेयक को इसी सप्ताह सदन में पेश कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक, मोदी सरकार के रणनीतिकार विधेयक को पहले राज्यसभा में पेश को तैयार हैं।

बताया जा रहा है कि वित्त विधेयक के पारित होते ही मोदी सरकार इस विधेयक को सदन में पेश कर सकती है। राज्यसभा में सांसदों का आंकड़ा भाजपा के पक्ष में नहीं है। लेकिन, केंद्र के रणनीतिकारों को लगता है कि एनडीए के सहयोगी दलों के साथ ही अन्य विपक्षी दलों के सहयोग से वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक को राज्यसभा में पारित किया जा सकता है। राज्यसभा में इस विधेयक को पेश करने की बड़ी वजह यह है, कि राज्यसभा एक स्थायी सदन है, जो कभी भंग नहीं होता है और ना ही इसमें पेश किया गया विधेयक कभी लैप्स होता है।

केंद्र सरकार सूत्रों के मुताबिक, वक्फ की संपत्ति को मुस्लिम समुदाय के लिए अधिक पारदर्शी और ज्यादा लाभदायक बनाने के साथ ही वक्फ बोर्ड को भारतीय न्याय व्यवस्था के अंतर्गत लाने के लिए ये संशोधन विधेयक लाने का फैसला हुआ। बताया जा रहा है कि मोदी सरकार अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के द्वारा पिछले कई वर्षो से मुस्लिम समुदाय से जुड़े लोगों के साथ इसपर विचार-विमर्श कर रही थी। मोदी सरकार के मुताबिक, मुस्लिम समाज के गरीबों और महिलाओं के साथ ही मुस्लिम वर्ग के बुद्धिजीवियों की तरफ से वफ्फ बोर्ड के कानून में बदलाव की मांग की जा रही थी।

बताया जा रहा है कि मोदी सरकार वक्फ बोर्ड के कानून में बदलाव लाकर न्यायिक व्यवस्था के अंतर्गत ला सकती है। नए कानून के लागू होने के बाद वक्फ बोर्ड के फैसले को अदालत में चुनौती दी जा सकेगी। प्रस्तावित संशोधन कानून में वक्फ बोर्ड के संपत्ति नामित करने के अधिकार को सीमित करने के अलावा संपत्ति के दावों के लिए अनिवार्य सत्यापन जैसे कई महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल हो सकते हैं। हालांकि, सरकार की ओर से बिल के प्रावधानों और बिल को संसद में पेश करने की तारीख को लेकर अभी तक कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

दिल्ली सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका एमसीडी में एल्डरमैन नियुक्त कर सकते हैं एलजी

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली नगर निगम में एल्डरमैन की नियुक्ति का मामले में उपराज्यपाल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है और आम आदमी पार्टी सरकरा को झटका लगा है। जस्टिस पामिदीघंटम श्री नरसिम्हा और जस्टिस संजय कुमार ने अपने निर्णय में कहा कि उपराज्यपाल एल्डरमैन की नियुक्ति कर सकते हैं। फैसले में कहा गया है कि एलजी दिल्ली कैबिनेट की सलाह के बिना भी एल्डरमैन की नियुक्ति कर सकते हैं।

इस फैसले का मतलब है कि एलजी अब एमसीडी में 10 एल्डरमैन को नामित करने के लिए स्वतंत्र हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एलजी को इस बाबत निर्वाचित सरकार की सहायता और सलाह के अनुसार काम करने की आवश्यकता नहीं है। यानी दिल्ली सरकार को सुप्रीम कोर्ट से राहत नही मिली। एलजी की ओर से 10 पार्षद मनोनीत किए जाने के फैसले के खिलाफ दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

आप ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर जताई असहमति

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लोकतंत्र और संविधान के लिए बड़ा झटका बताया है। उन्होंने फैसले पर अपनी असहमति व्यक्त करते हुए कहा है कि कोर्ट का फैसला मामले की सुनवाई से एक दम उलट है। सांसद ने कहा कि दिल्ली को अन्य राज्यों की तरह ये अधिकार मिलना चाहिए।

सोशल मीडिया पर लगाम लगाने की तैयारी

प्रसारण सेवा विधेयक को लेकर केंद्र पर बरसीं प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने मोदी सरकार पर प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक लाकर डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया, ओटीटी प्लेटफार्मों, निजी तौर पर लिखने और बोलने वालों पर लगाम लगाने की तैयारी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन हरकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया पर महात्मा गांधी (यंग इंडिया, 1922) और जवाहर लाल नेहरू (मार्च, 1940) के कोट्स साझा करते हुए कहा कि गांधी और नेहरू ने भाषण और प्रेस की स्वतंत्रता पर जोर दिया था।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, हमें सबसे पहले स्वतंत्र अभिव्यक्ति और संगठन के अधिकार को हासिल करना चाहिए और इन अधिकारों की रक्षा जान देकर भी करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, प्रेस की आजादी का मतलब यह नहीं होता कि जो चीजें हम छपी हुई देखना चाहें, सिर्फ उन्हीं की अनुमति दें, इस तरह की आजादी से तो कोई अत्याचारी भी सहमत हो जाएगा। नागरिक स्वतंत्रताओं और प्रेस की आजादी का मतलब है कि हम जो चीज न चाहें उनकी भी अनुमति दें और अपनी आलोचना बर्दाश्त करें।

प्रियंका गांधी ने कहा, ये दो उदाहरण यह बताते हैं कि हमारे नागरिकों को मिली अभिव्यक्ति और प्रेस की स्वतंत्रता यूं ही नहीं मिली है। इसके लिए वर्षो तक लाखों लोगों ने लड़ाई लड़ी है। नागरिक स्वतंत्रता और प्रेस की आजादी हमारे शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों की महान विरासत है। आजाद भारत के इतिहास में कभी कोई सरकार नागरिकों को मिली स्वतंत्रता को कुचलने के बारे में सोच भी नहीं सकती थी। उन्होंने आगे कहा कि आज एक तरफ सत्ता के जोर से पूरे मीडिया को सरकारी भोंपू बना दिया गया है। दूसरी तरफ, भाजपा सरकार ब्रॉडकास्ट बिल लाकर डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया, ओटीटी प्लैटफॉर्म्स और यहां तक कि निजी हैसियत में लिखने-बोलने वालों की जुबान पर ताला लगाने की तैयारी कर रही है। यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। देश ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगा।

केंद्रीय मंत्री ने दी प्रतिक्रिया

राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, केंद्रीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन ने इसे लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक, जिसके जरिए केबल टेलीविजन नेटवर्क्स (विनयमिकरण), कानून, 1995 को बदला जाना था, इसकी गाइडलाइंस को हितग्राहियों और आम जनता की टिप्पणियों के लिए 10 नवंबर 2023 को सार्वजनिक डोमेन में रखा गया था। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और स्वतंत्र मीडिया के लिए खतरा है। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने लोगों से सरकार के अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। हालांकि, कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर इस कानून में कुछ प्रावधानों के बारे में चिंता व्यक्त की। सरकार ने बताया कि विधेयक अभी भी ड्राफ्टिंग स्तर पर है और इसे लेकर हितधारकों से परामर्श जारी है।

ईडी का यह कदम........रोज वैली चिटफंड घोटाले के जमाकर्ताओं की जगी उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकारी जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) रोज वैली चिटफंड घोटाले के जमाकर्ताओं को 12 करोड़ रुपये लौटाने की तैयारी में है। इसके बाद सहारा निवेशकों के लिए भी आस जगी है। क्योंकि, सहारा ग्रुप के संकट में जाने के बाद लाखों लोगों का करोड़ों रुपया अटका हुआ है। हालांकि, इस मामले में भी मोदी सरकार सहारा के जमाकर्ताओं का पैसा लौटा रही है। मोदी सरकार सहारा समूह के जमाकर्ताओं को रिफंड का पैसा सीआरसीएस पोर्टल के द्वारा लौटा रही है। केंद्र ने सीआरसीएस-सहारा रिफंड पोर्टल के द्वारा सहारा समूह की सहकारी समितियों के 4.29 लाख से अधिक जमाकर्ताओं को करीब 370 करोड़ रुपये वितरित किए हैं।

जमाकर्ताओं को पैसे के पुनर्भुगतान की सुविधा के लिए सीआरसीएस-सहारा रिफंड पोर्टल 18 जुलाई, 2023 को लांच किया गया था। केंद्र सरकार की ओर से पोर्टल के लांच करने के बाद से ही चिटफंड कंपनी सहारा के करोड़ों निवेशकों को फंसे पैसे वापस मिलने की उम्मीद बंधी। अब ईडी की ओर से रोज वैली घोटाले के पीड़ितों को पैसा मिलने के बाद यह उम्मीद और बढ़ गई है।

दिल्ली सीएम केजरीवाल की याचिका खारिज

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को अरविंद केजरीवाल की सीबीआई की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। साथ ही जमानत याचिका के लिए निचली अदालत जाने को कहा। 29 जुलाई को हुई सुनवाई में कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। सीबीआई ने कहा कि केजरीवाल ही दिल्ली शराब नीति केस के असली सूत्रधार हैं। उनकी गिरफ्तारी के बिना मामले की जांच नहीं की जा सकती थी। एक महीने के भीतर हमने चार्जशीट दाखिल कर दी थी। सीबीआई ने केजरीवाल को 26 जून को अरेस्ट किया था। ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। हालांकि 12 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में जमानत दे दी थी। मगर सीबीआई केस के चलते वह जेल में ही हैं।

शुभेंदु अधिकारी ने क्यों कहा.....एक करोड़ हिंदू शरणार्थी बंगाल आने को तैयार

कोलिकाता (ईएमएस)। बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने बड़ा बयान दिया है। भाजपा नेता अधिकारी ने कहा, कुछ ही दिनों में एक करोड़ हिंदू शरणार्थी पश्चिम बंगाल आने वाले हैं। इसलिए आप तैयार रहें। भाजपा नेता अधिकारी ने बंगाल विधानसभा में कहा, बांग्लादेश में हिंदुओं का नरसंहार हो रहा है। रंगपुर में नगर परिषद के पार्षद हरधन नायक की हत्या कर दी गई। सिराजगंज के थाने में 13 पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी गई। इसमें 9 हिंदू हैं। वहीं, नोआखली में हिंदुओं के घर जला दिए गए। मैं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्यपाल से यही कहूंगा कि वे तुरंत इस मामले को लेकर भारत सरकार से बात करें।

अधिकारी ने सीएए का जिक्र कर कहा, सीएए में स्पष्ट है कि अगर किसी को धार्मिक उत्पीड़न के कारण पीटा जाता है, तब हमारा देश आगे आकर इन मामलों को देखेगा। मैं आपको बता रहा हूं कि अगर तीन दिनों के भीतर इस स्थिति पर काबू नहीं पाया गया, तब बांग्लादेश जमात और कट्टरपंथियों के हाथों में जा रहा है।

बंगला देश में तख्ता पलट के बाद आपात कैबिनेट बैठक

नई दिल्ली (ईएमएस) । पड़ोसी देश बांग्लादेश में हुए तख्ता पलट और राजनीतिक उथल-पुथल के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शाम अपने आधिकारिक आवास पर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक बुलाई। बैठक में बांग्लादेश के हालात पर गहन मंथन हुआ है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मामले के अहम पहलुओं की जानकारी को सामने रखा। बांग्लादेश में नौकरी में आरक्षण खत्म करने की मांग पर छात्रों के भारी विरोध और हिंसा के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा है।

बाहय और आंतरिक सुरक्षा पर मंत्रिमंडल की बैठक में गहन विचार विमर्श हुआ। विदेश मंत्री जयशंकर ने प्रधानमंत्री मोदी को बांग्लादेश की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी दी । इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के साथ गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस। जयशंकर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शामिल थे। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी विदेश मंत्री जयशंकर से बात की है।

इस बीच, सरकार ने बंगलादेश की सीमा के साथ-साथ पूर्वोत्तर राज्यों के लिए विशेष चेतावनी जारी की है। सीमा सुरक्षा बल ने बंगलादेश की घटना को देखते हुए 4096 किलोमीटर लंबी भारत-बंगलादेश सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है। सेना के सभी यूनिट के लिए 'हाई अलर्ट' जारी कर दिया गया है। बीएसएफ के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी और अन्य वरिष्ठ कमांडर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता पहुंच गए हैं।

उन्होंने उत्तर 24 परगना जिला और सुंदरबन इलाके में सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की। बंगलादेश में बदलती स्थिति को देखते हुए बीएसएफ ने पूरे भारत-बंगलादेश सीमा पर अलर्ट जारी किया है। सीमा पर तैनात जवानों की संख्या बढ़ा दी है। पड़ोसी देश से लगी सीमा पर तैनात सभी कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। सभी यूनिट को पूरी तरह सतर्क रहने के लिए कहा गया है।

असम के करीमगंज में भारत-बंगलादेश सीमा पर 'हाई अलर्ट' जारी किया है। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने भी सीमा पर सोमवार की रात से निषेधाज्ञा लागू कर दीं है।

बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पहुंचने पर भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनकी आगवानी की।इस दौरान हसीना और डोभाल के बीच लंबी बातचीत हुई। बातचीत के बारे में कोई अधिकृत जानकारी सेना अथवा सरकार द्वारा नहीं दी गई है।

केदारघाटी से कुल्लू-मनाली बारिश बाढ़- मलवे में दबे घर,कार और बंद हुए रास्ते बयां कर रहे हैं बर्वादी की कहानी

नई दिल्ली(ईएमएस)। केदारघाटी से लेकर कुल्लू मनाली तक बाढ और बारिश के कहर का मंजर दिखाई देता है। गांव के गांव तबाही से बिखरे पड़े हैं। यहां जगह जगह भारी भरकम पत्थर पड़े दिखाई दे रहे हैं। मलबे में घर दबे है और जेसीबी मशीने अपना काम कर रहीं है। सोमवार तड़के से डीडीएमओ नंदन सिंह रजवार के नेतृत्व में डॉग स्क्वायड रामबाड़ा से भीमबली क्षेत्र में सर्च अभियान शुरू किया है। वहीं, सोमवार सुबह 100 लोगों को सुरक्ष बलों की देखरेख में श्री केदारनाथ धाम से लिनचोली हेलीपैड के लिए रवाना कर दिया गया है। इन यात्रियों को लिनचोली से एयर लिफ्ट कर शेरसी हैलीपैड पर उतारा जाएगा। कुछ यात्रियों को पैदल मार्ग से लिंचोली भेजा गया। इसके अलावा एनडीआरएफ की टीमें जंगल एव मंदाकिनी नदी के आसपास भी लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है।

उत्तराखंड में भी कुदरत ने रौद्र रूप दिखाया। भारी बारिश से केदारघाटी में तबाही मची है। उत्तराखंड की केदार घाटी में बादल फटने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। एनडीआरएफ,एसडीआरएफ और सेना लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई है। हर एक शख्स को सुरक्षित निकालने की कोशिश में लगी है। प्रशासन के मुताबिक, केदारनाथ के रास्ते में भीमबली, गौरीकुंड से यात्रियों को बाहर निकालने का प्रयास जारी है। यात्रियों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचने के लिए हेलिकॉप्टर का भी सहारा लिया जा रहा है।सोनप्रयाग में रेस्क्यू का काम इसलिए भी मुश्किल है कि क्योंकि 31 जुलाई से अब तक 300 से ज्यादा सड़कें लैंडस्लाइड की वजह से बंद हो चुकी हैं। कई टीमें रास्तों को फिर से ठीक करने में जुटी हैं। इस बीच मौसम विभाग ने चमोली, बागेश्वर जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश से पहले प्रशासन यात्रियों को सुरक्षित निकालने में जुटा हुआ है। रविवार देर शाम तक स्निफर डॉग की मदद से सर्च अभियान जारी रहा। लिनचोली से रामबाड़ा क्षेत्र तक सर्च अभियान पूरा किया जा चुका है, जिसमें अब तक किसी व्यक्ति के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है।

मॉनसून की बारिश अगस्त के महीने में हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में ऐसी आफत लेकर आई कि जगह-जगह पहाड़ दरक रहे हैं।

देश में पहली बार स्किल्ड के आधार पर जनगणना

हैदराबाद (ईएमएस)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने जाति जनगणना के पहले कौशल जनगणना कराने का निर्णय लिया है। अगस्त माह से यह जनगणना शुरू होने जा रही है। इसमें युवाओं और बेरोजगारों के पास जो स्किल्ड है। उसकी गणना करके आधिकारिक रिकार्ड तैयार किया जाएगा। आंध्र प्रदेश के 20 लाख युवाओं को नौकरियां दिए जाने का लक्ष्य आंध्र प्रदेश की सरकार ने बनाया है।

उल्लेखनीय है आंध्र प्रदेश में सबसे ज्यादा तकनीकी और व्यावसायिक संस्थान हैं। युवाओं की योग्यता के अनुसार उन्हें काम दिलाने में सरकार मदद करेगी। आंध्र प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य होगा। जो बेरोजगारों की वास्तविक स्किल्ड के अनुसार डेटाबेस तैयार करेगा। जनगणना के दौरान आंध्र प्रदेश के अधिकारी युवाओं से उनकी स्किल्ड जानकर दो वर्गों में पंजीयन करेंगे।

15 से 29 वर्ष की उम्र के लोगों का एक डेटाबेस तैयार किया जा रहा है। 30 वर्ष से लेकर 59 वर्ष तक की आयु का एक अलग डाटाबेस तैयार किया जा रहा है। आंध्रा में मौजूद शिक्षित और अशिक्षित युवाओं को उनकी दक्षता के आधार पर डाटाबेस तैयार किया जा रहा है। इस डेटाबेस के तैयार होने के बाद सरकारी संस्थाओं और निजी संस्थानों में इन्हें रोजगार अथवा नौकरी दी जाएगी।

आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सभी विश्वविद्यालय और कॉलेजों को कहा है। वह रोजगार मूलक पाठयक्रम तैयार कर उसकी शिक्षा देने का काम शुरू करें। योग्यता के अनुसार युवाओं को नौकरी और रोजगार दिलाने में आंध्र प्रदेश की सरकार सहायता करेगी।

जम्मू-कश्मीर में दो संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

जम्मू(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतीपोरा इलाके से सोमवार को दो संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, अवंतीपोरा इलाके में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान जुबैर अहमद और हिजाज नजीर को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से दो पिस्तौल और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई।

ताजमहल में फिर चढ़ाया गया गंगाजल

आगरा (ईएमएस)। यूपी की पर्यटन नगरी आगरा स्थित ताजमहल पर एक बार फिर जल चढ़ाया गया। महिला ने भगवा झंडा भी लहराया। इसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। महिला को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने हिरासत में लिया है। पूर्व में भी यह महिला जलाभिषेक के लिए कांवड़ लेकर पहुंची थी। ताजमहल में सावन माह के अंदर हिंदूवादियों की तीसरी प्रतिक्रिया सामने आई है। इससे पहले भी युवक का जलाभिषेक का वीडियो सामने आया था। सोमवार को महिला एक बोतल में पानी लेकर गुंबद में पहुंची। उसने दावा किया कि बोतल में गंगाजल था। उसने मुख्य गुंबद पर भगवा झंडा भी लहराया। वीडियो सामने आने के बाद ताज की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी यह महिला ताजमहल पर जलाभिषेक करने के लिए कांवड़ लेकर पहुंची थी। महिला हिंदू महासभा की पदाधिकारी बताई जा रही है।

अब यूपी के सहारनपुर में पटरी से उतरे लोकल ट्रेन के तीन डिब्बे

सहारनपुर,(ईएमएस)। ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतरने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है आए दिन कभी यात्री तो कभी मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतर रहे हैं। वहीं अब यूपी से खबर आई है कि सहारनपुर रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर एक लोकल ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए।

मीडिया रिपोर्ट में अंबाला मंडल के मंडल प्रबंधक ने बताया कि एक लोकल ट्रेन जो सफाई के लिए जा रही थी यह मेमू ट्रेन खाली थी और घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। डीआरएम ने बताया कि यह घटना वाशिंग लाइन पर दोपहर करीब तीन बजे हुई। इस वजह से मुख्य मार्ग पर ट्रेन यातायात प्रभावित नहीं हुआ। डिब्बों के पटरी से उतरने के कारणों की जांच कर रहे हैं और ट्रैक को ठीक किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार से पूछा, मुस्लिम को ओबीसी के रुप में नामित करने का आधार बताए

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार को 77 समुदायों, जिसमें अधिकांश मुस्लिम थे, को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के रूप में नामित करने का आधार बताने का निर्देश दिया।

दरअसल कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मई में वर्गीकरण प्रक्रिया को अवैध घोषित किया था। इसके बाद ममता सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपील की है। सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार से कोटा लाभ देने के लिए ओबीसी सूची में शामिल की गई जातियों के सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन और सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों में अपर्याप्त प्रतिनिधित्व पर मात्रात्मक डेटा प्रदान करने का आदेश दिया है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी की पीठ ने कहा कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 22 मई को पश्चिम बंगाल में 2010 से दी गई कई वर्गों की ओबीसी स्थिति को रद्द कर दिया, और राज्य में सेवाओं और पदों पर रिक्तियों के लिए इस तरह के आरक्षण को अवैध पाया। पीठ ने पूछा कि क्या ओबीसी के उप-वर्गीकरण के लिए राज्य द्वारा कोई परामर्श किया गया था। राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ अपील दायर की। उच्च न्यायालय ने कहा था कि इन समुदायों को ओबीसी घोषित करने के लिए वास्तव में धर्म ही एकमात्र मानदंड प्रतीत होता है। उसका विचार है कि मुसलमानों की 77 श्रेणियों को पिछड़े के रूप में चुना जाना मुस्लिम समुदाय का अपमान है।

जन हितैषी

सारी दुनिया के शेयर बाजारों में हाहाकार, सबसे बड़ी आर्थिक मंदी की शुरुआत

दुनिया के लगभग सभी देशों में आर्थिक मंदी देखने को मिल रही है। नौकरियां खतरे में पड़ गई हैं। सारी दुनिया के देशों में महंगाई आसमान पर पहुंच रही है। काम धंधे कम होते चले जा रहे हैं। अमेरिकी फेडरल द्वारा ब्याज कम किए जाने के बाद दुनिया के सभी देशों के शेयर बाजार में हड़कंप मच गया है। भारतीय शेयर बाजार भी इससे अछूते नहीं रहे। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुए थे। सोमवार को जैसे ही शेयर बाजार में कारोबार शुरू हुआ। मुंबई स्टॉक एक्सचेंज मे 2670 अंकों की गिरावट के साथ कारोबार शुरू हुआ। निफ्टी मे भी 820 अंकों की गिरावट के साथ कारोबार शुरू हुआ। भारतीय शेयर बाजार में सार्वजनिक क्षेत्र की वित्तीय संस्थाओं और बैंकों का भारी पैसा निवेश है। इस गिरावट का सबसे बड़ा असर बैंकों और वित्तीय संस्थानों को होने जा रहा है। शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण भारत के कई बैंक दिवालिया हो सकते हैं। भारत के बैंक भी ब्याज दरों को घटा सकते हैं। आर्थिक मंदी का प्रभाव सारी दुनिया के देशों में फैल गया है। अमेरिका से आर्थिक मंदी की जो शुरुआत हुई है। इसका असर बड़ी तेजी के साथ दुनिया के सभी देशों में फैल रहा है। अमेरिका की बेरोजगारी दर 4.3 फ़ीसदी से अधिक हो गई है। अमेरिका में यह 3 साल के सबसे उच्चतम स्तर पर है। अमेरिका की सरकार ने एक नई स्कीम भारतीयों के लिए निकाली है। जिसमें 2 करोड रुपए अमेरिका में निवेश करने पर 5 साल का वीजा मिलेगा। पति-पत्नी अपने साथ तीन लोगों को और भी काम के लिए ला सकते हैं। इस स्कीम में अमेरिका में कारोबार शुरू करने पर कम से कम पांच स्थानीय नागरिकों को रोजगार देने की शर्त लगाई गई है। अमेरिका ने 60000 भारतीयों को इस स्कीम का लाभ देने का प्रस्ताव किया है। भारत से वैसे भी पलायन कर विदेश जाने की होड़ लगी हुई है। नई स्कीम के बाद भारतीय नागरिक बड़ी संख्या में अमेरिका में जाकर कारोबार शुरू कर सकते हैं। वित्तीय रिसर्च संस्थान ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट एवं अन्य वित्तीय अर्थशास्त्रियों के अनुसार अमेरिका में मंदी की संभावना 15 फ़ीसदी से बढ़कर 25 फ़ीसदी होने की संभावना जताई जा रही है। ईरान और इजरायल के बीच में तनाव बढ रहा है। उससे तीसरे विश्व युद्ध की आशंका गहरा गई है। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध भी तेज हो गया है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए दुनिया के सभी शेयर बाजार इससे प्रभावित हो रहे हैं। भारत में सोमवार को शेयर बाजारों में इसका बड़ा असर देखने को मिला है। जैसे ही कारोबार शुरू हुआ, मुंबई स्टॉक एक्सचेंज 2700 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज मे 820 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। बाजार में मंदी की आशंका से निफ्टी के 50 शेयर वाले इंडेक्स के 48 शेयर तथा 30 शेयर वाले बीएससी इंडेक्स के सभी शेयरों में भारी गिरावट के साथ बिकवाली शुरू हुई। हिंडालको 4 फ़ीसदी गिरावट के साथ सबसे शीर्ष पर रहा। उसके बाद टाटा मोटर्स, श्रीराम फाइनेंस, ओएनजीसी, अदानी पोर्टस के शेयर भी भारी गिरावट के साथ बिकवाली हुई। दुनिया के सभी शेयर बाजारों की तुलना में भारतीय शेयर बाजार की हालत सबसे ज्यादा चिंताजनक है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय शेयर बाजार बेलगाम घोड़े की तरह सरपट भाग रहा था। भारत का शेयर बाजार मुनाफा वसूली के लिए सबसे अच्छा बाजार बना हुआ था। भारत के वित्तीय संस्थान, जिसमें बैंक और सरकारी क्षेत्र के संस्थानो ने बड़ी मात्रा में शेयर बाजार में निवेश किया हुआ है। म्युचुअल फंड के माध्यम से भी मध्यवर्ग का निवेश बड़े पैमाने पर शेयर बाजार में हुआ है। शेयर बाजार की इस गिरावट से भारत की अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान होने जा रहा है। 2008 में जो स्थिति अमेरिका की थी। वही स्थिति अब भारत की होने जा रही है। अर्थशास्त्रियों का मानना है, अभी तक डॉलर के मुकाबले रुपए का गिरना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए चिंताजनक माना जा रहा था। भारत को अपना निर्यात व्यापार बनाए रखने के लिए, भविष्य में रुपए का मूल्य घटाना पड़ सकता है। इस दोहरे संकट के कारण, भारत की अर्थव्यवस्था को संभालना बहुत मुश्किल होगा। दुनिया के सभी देशों की तुलना में भारत में सबसे ज्यादा टैक्स और शुल्क वसूल किये जा रहे हैं। आर्थिक मंदी की दशा में इसका प्रभाव आम जनता पर पड़ेगा। टैक्स और शुल्क से सरकार की आय कम होगी। सरकार को महंगाई नियंत्रित करने के लिए टैक्स कम करना पड़ सकता है। इसका असर सरकारी खजाने पर पड़ेगा। पिछले 10 वर्षों में भारत की जनता को जो बड़े-बड़े सपने दिखाए गए हैं। यदि उसके विपरीत स्थिति बनती है। तो भारत में महंगाई, बेरोजगारी और रोजगार के साथ-साथ कानून व्यवस्था की स्थिति भी खराब हो सकती है। आर्थिक मंदी के जो वेश्विक संकेत देखने को मिल रहे हैं, उससे भारत अछूता नहीं है। भारत को इसके कितने घातक परिणाम झेलने पड़ेंगे, यह कहना अभी मुश्किल है। 2008 में जब अमेरिका की मंदी आई थी। उस वैश्विक मंदी से भारत सुरक्षित बाहर निकल आया था। उस समय मनमोहन सिंह की सरकार थी। वह बेहतर अर्थशास्त्री थे, उस समय भारत का रिटेल सेक्टर बहुत मजबूत था। असंगठित क्षेत्र मजबूत होने के कारण उस आर्थिक मंदी को भारत ने आसानी से झेल लिया था। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की काफी प्रशंसा की थी। 2016 के बाद से हमारा असंगठित क्षेत्र धीरे-धीरे कमजोर होता चला गया। जीएसटी, नोटबंदी और कोविड के बाद असंगठित क्षेत्र मरणासन्न हालत में पहुंच गया है। भारत में महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है। ऐसी स्थिति में भारत को आर्थिक मंदी से बचा पाना कैसे संभव होगा। भारत सरकार के ऊपर लाखों करोड़ों रुपए का कर्ज है। राज्य सरकारों के ऊपर भी भारी कर्ज है। नगरीय संस्थाएं भी कर्ज में डूबी हुई हैं। सरकारी खजाने का एक बड़ा हिस्सा ब्याज और किस्त के रूप में चुकाना पड़ रहा है। अभी आर्थिक मंदी की शुरुआत हुईं है। आने वाला समय इससे भी ज्यादा भयावह होगा। जो लोग अपने खर्चे को सीमित रखेंगे,जो बचत उनके पास है। उसको सोच समझ कर खर्च करेंगे। बचत की ओर आगे भी ध्यान देंगे। वह आर्थिक मंदी के इस तूफान को झेल लेंगे। आर्थिक मंदी का जो तूफान सारे विश्व में तेजी के साथ फैल रहा है। उसकी चपेट मे आने से बचना बहुत मुश्किल है। विशेष रूप से उन लोगों को जो उधार लेकर कारोबार अथवा खर्च कर रहे हैं। एक बार फिर सारी दुनिया के देश 100 साल पुरानी अर्थव्यवस्था के कगार पर पहुंच गए हैं। आर्थिक कारणों से ही प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध हुआ था। अब तृतीय विश्व युद्ध की आशंका बन गई है।

पेरिस ओलंपिक में अब तक निराशाजक रहा भारत का प्रदर्शन

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक में अब तक भारत का सफर उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। एक अरब से अधिक आबादी वाले देश को केवल तीन कांस्य पदक ही मिले हैं। ये तीनो ही निशानेबाजों ने जीते हैं। इस बार देश को मुक्केबाजों ने भी निराश किया है जबकि भारत को मुक्केबाजी दल से काफी उम्मीदें थी, लेकिन वे उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए। पेरिस में पदक की उम्मीदों में निकहत जरीन और तोक्यो की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन भी शामिल थीं पर दोनों ही पदक से दूर रह गईं। वहीं पुरुष वर्ग में अमित पंघाल और निशांत देव भी बाहर हो गए।

वहीं बैडमिंटन में लक्ष्य सेन ने सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बनकर इतिहास रचा पर वह ह

भी फाइनल में नहीं जा पाये। हॉकी में हालांकि टीम बेहतर प्रदर्शन कर सेमीफाइनल में पहुंची है और उससे अब पदक की उम्मीद है।

पेरिस ओलंपिक की पदक तालिका में भारत अब 57वें स्थान पर है। इस प्रदर्शन को निराशाजनक कहना गलत नहीं होगा। यहां तक कि ब्रिक्स देशों में भारतीय दल का प्रदर्शन सबसे खराब है। यूक्रेन जैसे छोटे से देश ने तक 6 पदक जीत लिया है। भारत के खराब प्रदर्शन का कारण अच्छे स्पोर्ट्स कल्चर की कमी मना जा रहा है।

शब्द पहेली - 8090

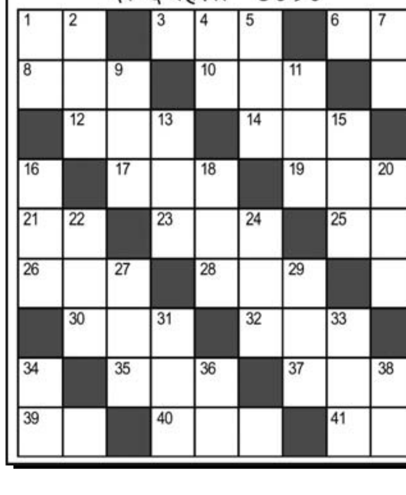

बाएँ से दाएँ

1. अधिकार-2
3. समुद्र, दरिया-3
6. आनंद, रस-2
8. दबाना, कुचलना-3
10. गुंडा, बदमाश-3
12. पासों से भविष्य जानना-3
14. नाप जोख करना-3
17. जलजला-3
19. असफल-3
21. मगन, रत-2
23. व्यक्ति, जीव-3
25. सम्राट, नरेश-2
26. कार्य करने वाला-3
28. उपनदी, कैनाल-3
30. मां का प्रेम-3
32. पढ़ना, अध्ययन-3
35. पक्षाघात, फालिज-3
37. सेनापति-3
39. दूल्हा, वरदान-2
40. पक्ष, एक ओर-3
41. भीगा हुआ

ऊपर से नीचे

1. सीमा, सरहद-2
2. कटि, मध्यांग-3
4. दुख, कष्ट-2
5. गमन, विदा होना-3
7. शराब का प्याला-2
9. एक नमकीन लवण-3
11. आलेप करना-3
13. बोलने का तरीका-3
15. अयोग्य, बेकार-3
16. तहजीब, तमीज-3
18. रत्न, बहुमूल्य नग-3
20. व्यंग, परिहास-3
22. मुलायम, नाजुक-3
24. कॉफी-3
27. पंकज, नीरज, जलज-3
29. निर्माण-3
31. बल, दम, जोर-3
33. नेत्र, आंख-3
34. नौका-2
36. घात, प्रहार-2
38. जरा, थोड़ा-2

शब्द पहेली -8089 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

डॉ बी आर. अम्बेडकर की न्याय हेतु अविरल यात्रा

सारांश :बाबा साहेब का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू नगर में हुआ था। उनके पिता का नाम रामजी मालोजी सकपाल और उनकी माता का नाम भीमाबाई सकपाल है। डॉ बाबा साहेब का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। उन्होंने बचपन से ही जाति भेदभाव और असमानता का सामना किया। वे ज़िंदगी भर समाज में अधिकार, समानता और न्याय के लिए संघर्ष करते रहे। उन्हें बचपन से ही पढ़ने का शौक था। उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की और अंततः लंदन के अंग्रेजी विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने के बाद भारत लौटे। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स दोनों ही विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्राप्त कीं तथा विधि, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में शोध कार्य भी किये थे। भारत लौटने के बाद उन्होंने अपना जीवन सामाजिक सुधार कार्यों में लगा दिया। वे अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे एवं वकालत भी की। इसके बाद का जीवन राजनीतिक गतिविधियों में अधिक बीता। डॉ आम्बेडकर ने आजादी में भी अहम योगदान दिया। साथ ही पत्रिकाओं को प्रकाशित करने, राजनीतिक अधिकारों की वकालत करने के साथ ही दलितों के लिए सामाजिक स्वतंत्रता की वकालत की। डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर जी व उनका का परिवार संत कबीर की विचारधारा से खासा प्रभावित था और संत कबीर के ज्ञान को आधार बनाकर जीवन जीता था। हिंदू पंथ में व्याप्त कुरूतियों और छुआछूत की प्रथा से तंग आकार सन 1951 में बाबा साहब ने बौद्ध धर्म अपना लिया था। 14 अप्रैल को उनका जन्म दिवस आम्बेडकर जयंती के तौर पर भारत समेत दुनिया भर में मनाया जाता है। बाबा साहब का महापरिनिर्वाण 6 दिसंबर 1956 को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में हुआ, इस दिन को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है।

बाबा साहेब का पूरा नाम भीमराव रामजी आंबेडकर हैं। आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को ब्रिटिश भारत के मध्य भारत प्रांत (अब मध्य प्रदेश) में स्थित महू नगर सैन्य छावनी में हुआ था। वे रामजी मालोजी सकपाल और भीमा बाई की 14 वीं व अंतिम संतान थे। आम्बेडकर के दादा का नाम मालोजी सकपाल था। उनका परिवार कबीर पंथ को मानने वाला मराठी मूल का था और वो वर्तमान महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में आंबडवे गाँव के निवासी थे। वे दलित महार जाति से संबंध रखते थे, जो तब अछूत कही जाती थी। भीमराव आम्बेडकर के पूर्वज लंबे समय से ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में कार्यरत रहे थे और उनके पिता रामजी सकपाल, भारतीय सेना की महू छावनी में सेवारत थे। यहां काम करते हुए वे सूबेदार के पद तक पहुँचे थे। उन्होंने मराठी और अंग्रेजी में औपचारिक शिक्षा प्राप्त की थी। 1896 में आम्बेडकर जब पाँच वर्ष के थे तब उनकी माँ की मृत्यू हो गई थी। मां के निधन के बाद उन्हें बुआ मीराबाई संभाला, जो उनके पिता की बड़ी बहन थी। मीरा बाई के कहने पर रामजी ने जीजा बाई से पुनर्विवाह किया ताकि बालक भीमराव को माँ का प्यार मिल सके। बालक भीमराव जब पाँचवी अंग्रेजी कक्षा पढ रहे थे, तब उनकी शादी रमाबाई से हुई। रमाबाई और भीमराव को पाँच बच्चे भी हुए जिनमें चार पुत्र यशवंत, रमेश, गंगाधर, राजरत्न और एक पुत्री इन्दु थी। किंतु यशवंत को छोड़कर सभी संतानों की बचपन में ही मृत्यु हो गई थीं। प्रकाश, रमाबाई, आनंदराज तथा भीमराव यह चारो यशवंत आम्बेडकर की संतानें हैं। मुंबई में बाबा साहब के परिवार में यशवंत (बेटे), डॉ. आम्बेडकर, रमाबाई (पत्नी), लक्ष्मीबाई (उनके बड़े भाई बलराम की पत्नी), मुकुंद (भतीजे) और इसके साथ ही उनका कुत्ता टोबी भी उनके साथ रहता था। प्रकाश आम्बेडकर, भारिपा बहुजन महासंघ का नेतृत्व करते हैं और भारतीय संसद के दोनों सदनों के सदस्य रह चुके हैं। भीमराव आंबेडकर ने दो शादियां की थीं। उनकी पहली पत्नी का नाम रमाबाई आंबेडकर और दूसरी पत्नी का नाम सविता आंबेडकर हैं। आम्बेडकर जी की पहली पत्नी रमाबाई की लंबी बीमारी के बाद 1935 में निधन हो गया।

भारत रत्न, महान मर्मज्ञ, अर्थशास्त्री, संविधान शिल्पी, आधुनिक भारत की नींव रखने वाले, इतिहास के ज्ञाता, तत्वज्ञानी, मानव शास्त्र के ज्ञाता, कानूनविद, मानवाधिकार के संरक्षक, पाली साहित्य के अध्ययनकर्ता, महान लेखक, समाज सुधारक, राजनीतिज्ञ, संपादक, बौद्ध साहित्य के अध्ययनकर्ता, मजदूरों के मसीहा, इतिहासविद, प्रोफेसर, शिक्षाविद्, आजाद भारत के पहले कानून मंत्री डॉ. भीमराव आंबेडकर जिन्हें पूरी दुनिया प्यार और सम्मान के साथ बाबा साहब के नाम से पुकारती है। वह अपने युग के सबसे ज्यादा पढ़े लिखे राजनेता और एवं विचारक थे। 1990 में उन्हें मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया है। उनका मूल नाम भीमराव है। यूं तो इतिहास में कई महापुरूष हुए लेकिन बाबा साहब जैसा शायद ही कोई हुआ हो। बाबा साहेब ने अपने विचार और काम, दोनों के जरिए समाज को जो दिया वैसा योगदान किसी और का नहीं है। सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, संवैधानिक, शैक्षणिक सहित शायद ही ऐसा कोई क्षेत्र हो जिसमें बाबा साहब का योगदान ना हो। बाबा साहब चाहते थे कि दलितों को जो अधिकार मिलने चाहिए, वे उन्हें हासिल हों, देश-समाज में उनका सम्मान बढ़े, दलितों का स्तर ऊँचा उठे और उन्हें बराबरी का दर्जा हासिल हो। बाबा साहब ने कहा कि उनका जीवन तीन गुरुओं और तीन उपास्यों से कामयाब बना है। उन्होंने जिन तीन महान व्यक्तियों को अपना गुरु माना, उसमे उनके पहले गुरु थे तथागत गौतम बुद्ध, दूसरे थे संत कबीर और तीसरे गुरु थे महात्मा ज्योतिराव फुले थे। उनके तीन उपास्य थे ज्ञान, स्वाभिमान और शील। आज भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के और भी कई देशों में आम्बेडकरवाद का प्रचार और प्रसार हो रहा है। स्वतंत्रता, समानता, भाईचारा, बौद्ध धर्म, विज्ञानवाद, मानवतावाद, सत्य, अहिंसा ही आम्बेडकरवाद के सिद्धान्त हैं। छुआछूत को खत्म करना, दलितों में सामाजिक सुधार, भारतीय संविधान में निहीत अधिकारों तथा मौलिक हकों की रक्षा करना, जातिमुक्त समाज की रचना ही इसका मकसद है। आम्बेडकरवाद सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक विचारधारा है। बता दें कि वह कुल 64 विषयों में मास्टर थे, 32 डिग्रियों के साथ 9 भाषाओं के जानकार थे, इसके साथ ही उन्होंने विश्व के सभी धर्मो के बारे में पढ़ाई की थी। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में मात्र 2 साल 3 महीने में 8 साल की पढ़ाई पूरी की थी। वह लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से 'डॉक्टर ऑल साइंस' नामक एक दुर्लभ डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त करने वाले भारत के ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के पहले और एकमात्र व्यक्ति हैं।1940 के दशक के अंत में भारतीय संविधान के मसौदे को पूरा करने के बाद, वह नींद के अभाव से पीड़ित थे, उनके पैरों में न्यूरोपैथिक दर्द था और इंसुलिन और होम्योपैथिक दवाएं ले रहे थे। वह उपचार के लिए बॉम्बे (मुम्बई) गए और वहां डॉक्टर शारदा कबीर से मिले, जिनके साथ उन्होंने 15 अप्रैल 1948 को नई दिल्ली में अपने घर पर विवाह किया था। बाबा साहब की दूसरी पत्नी सविता आम्बेडकर ने दलित बौद्ध आंदोलन में बाबा साहब के साथ बौद्ध दीक्षा ग्रहण की थी। विवाह से पहले बाबा साहब की पत्नी का नाम डॉ शारदा कबीर था। सविता आम्बेडकर जिन्हें माई या माइसाहेब कहा जाता था, का 29 मई 2003 को नई दिल्ली के मेहरौली में 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया। लेकिन न्याय की विरासत में भारत में एक संविधानिक व्यवस्था हेतु उनका नाम हमेशा लिया जायेगा। (लेखक- संजय गोस्वामी / ईएमएस)

प्राकृतिक आपदा में तबाही का केंद्र बना उत्तराखंड!

उत्तराखंड में गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर अतिवृष्टि के बाद से भूस्खलन में फंसे लोगों का रेस्क्यू जारी है। अभी तक करीब 150 लोगों से आपदा टीम का संपर्क नहीं हो पा रहा है। अब तक 6,980 लोगों का रेस्क्यू हो चुका है। 599 लोगो को हेलिकॉप्टर से बचाया गया है।प्रभावित इलाके में मोबाइल कनेक्टिविटी नहीं होने के कारण आपदा में फंसे लोगों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। इसलिए कितने लोग लापता हैं, सीधे तौर पर नहीं बताया जा सकता है, रेस्क्यू पूरा होने पर ही स्थिति साफ होगी। पुलिस ने मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। जिसकी मदद से लोग अपनों के बारे में जानकारी ले सकते हैं।

हालांकि अधिकारियों का दावा है कि केदारनाथ से लेकर पैदल मार्ग तक सभी यात्री सुरक्षित हैं और उन्हें रेस्क्यू किया जा रहा है। पहले दिन 4000 लोगों को पैदल मार्ग से रेस्क्यू किया गया था। वही हेलिकॉप्टर से 602 और पैदल मार्ग से 1,700 यात्रियों का रेस्क्यू किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपदा राहत कार्यो के बारे में बताया कि प्रदेश में राहत-बचाव अभियान जारी है, सभी विभाग अलर्ट पर हैं। वे खुद भी लिनचोली और गुप्तकाशी गए थे। अब तक 5,000 लोगों को बचाया गया है और 1000 लोग धाम पर अभी भी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि आपदा के समय वे उत्तराखंड के साथ हैं। सभी संभव सहायता हो रही है। हेलिकॉप्टर भी भेजा गया है। गृहमंत्री भी लगातार संपर्क में हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी लगातार जानकारी ले रहे हैं। हम हर एक श्रद्धालु, आपदा पीड़ित की सहायता के लिए प्रतिबद्ध हैं।हकीकत यह है कि उत्तराखंड को भू-जल विज्ञान संबंधी आपदाओं के लिहाज से सबसे कमजोर बताया गया है। देहरादून, उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ के जिलों को भू-जल विज्ञान संबंधी आपदाओं के लिए सबसे अधिक संवेदनशील माना गया है, जिनमें भूस्खलन, अचानक बाढ़, बादल फटना, मलबा बहना, चट्टानों का गिरना, चरम मौसम और भूमि का जलमग्न होना शामिल है।

इस तरह की घटनाएं हिमालयी राज्य उत्तराखंड में बहुत सक्रिय तथा अक्सर होती रहती हैं, मुख्य रूप से मॉनसून के दौरान ये घटनाएं और अधिक सक्रिय हो जाती हैं।

उत्तराखंड के अलग-अलग इलाकों में आपदाओं को देखें तो, इस साल की शुरुआत में चमोली जिले के जोशीमठ में भूमि धंसने के कारण यह इलाका सुर्खियों में रहा, जिसकी वजह से सैकड़ों परिवारों को अपने घरों को छोड़ना पड़ा है। उत्तरकाशी जिले में हाल ही में सिल्कयारा सुरंग के ढहने की घटना ने लोगों का ध्यान इस और आकर्षित किया। पिथौरागढ़ जिले में भी नियमित रूप से भूस्खलन की घटनाएं हो रही हैं, खासकर मॉनसून के दौरान इनमें बढ़ोतरी देखी जा सकती है। मिजोरम विश्वविद्यालय के शोधकर्ता और प्रोफेसर विश्वंभर प्रसाद सती द्वारा किए गए एक अध्ययन में बताया गया कि सन 2020 से 2023 तक भू-जल विज्ञान संबंधी खतरों के आंकड़ों के विश्लेषण में उत्तराखंड के बंदाल घाटी और सोंग नदी घाटी, दोनों पर आपदाओं के प्रभाव पर एक अनुभव आधारित अध्ययन भी शामिल किया गया है।जिसमे दोनों घाटियां बादल फटने के कारण अचानक आई बाढ़ और मलबे के प्रवाह से बुरी तरह प्रभावित हुई। वहीं, बंदाल घाटी के तीन गांवों में भारी बाढ़ और मलबा बहने से हुए नुकसान का घरेलू स्तर पर सर्वेक्षण किया गया।सन 2020 से 2023 तक की चार साल की अवधि में, हिमालयी राज्य उत्तराखंड में भारी नुकसान हुआ, जिसमें 213 लोग हताहत हुए, 5,275 लोग प्रभावित हुए, 553 पशु मारे गए, 301 घर ढह गए, 68 गांव प्रभावित हुए, 40 पुल ढह गए और 4,990 मीटर सड़कें क्षतिग्रस्त हुई है।

उत्तर भारत के कई राज्यों में दो मौसम प्रणालियां सक्रिय हैं। इनमें से एक पश्चिमी विक्षोभ है और दूसरी बंगाल की खाड़ी से आने वाली मानसूनी हवाएं हैं। पश्चिमी विक्षोभ वो हवाएं हैं, जो अरब सागर से अपने साथ नमी लाकर बारिश कराती हैं।इसी के चलते उत्तराखंड व हिमाचल राज्यों में भारी बारिश देखने को मिल रही है। इसी कारण नदियों का जलस्तर बढ़ गया है और जगह-जगह जलभराव और भूस्खलन से लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। दस साल पहले यानी सन 2013 में भी दो वेदर सिस्टम उत्तराखंड में आपस मिले थे। उसी से केदारनाथ में भीषण आपदा आई थी। मौसम विज्ञानिकों का कहना है दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग जैसे-जैसे बढ़ेगी, मौसम प्रणालियों के मिलने की घटनाएं भी बढ़ेंगी। इसके चलते बारिश की तीव्रता भी और ज्यादा बढ़ सकती है। एक सप्ताह पहले हिमाचल प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से आने वाली मानसूनी हवा का मिलन हुआ था। इस वजह से उत्तर भारत में जमकर बारिश हुई है।देवभूमि में पिछले दिनों लगातार बरसात की वजह से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। नदी नालों और नहर का पानी उफान पर है पर्वतीय इलाकों में हो रही बरसात की वजह से सड़कों के बीच में बहने वाले रपटे भी जानलेवा साबित हो रहे हैं। प्रशासनिक अमला सभी संवेदनशील इलाकों में लगातार निरीक्षण कर रहा है।उत्तराखंड में एक तरफ जहां बारिश के चलते आम जनजीवन प्रभावित हुआ है,तो वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि बारिश का अलर्ट हमेशा से प्रदेश के लिए एक चुनौती भरा रहता है, बारिश की वजह से कई मार्ग जहां बाधित हो गए हैं, तो वहीं कई जगहों पर जलभराव की समस्या देखने को मिल रही है, सड़कें खोलने और जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए संबंधित विभागों और अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है ताकि आम जनता की समस्याएं कम हो।सीएम धामी का कहना है कि प्रदेश में जहां एक तरफ चार धाम यात्रा तो वहीं दूसरी तरफ कावड़ यात्रा से चुनोतियां बढ़ी है।उन्होंने कहा कि जब तक मौसम ठीक नहीं हो जाता है तब तक बहारी राज्यो से यात्रा पर न आए और मौसम की जानकारी लेने के बाद ही उत्तराखंड की यात्रा को करें क्योंकि कई जगहों पर सड़क बाधित होने की वजह से यात्रियों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

हिमाचल के कई जिलों व उत्तराखंड के चमोली, टिहरी, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ बागेश्वर के कई गांवों में गिरते शिलाखंडों, मलबे, दरकती जमीनों से लोग भयभीत हैं। पहाड़ की सड़कें बेहतर भविष्य की आस तो जगाती हैं वहीं सड़कों के बनने के बाद आसपास की जमीनों के भाव भी बढ़ जाते हैं।

चौड़ी सड़कें बनाने के लिए पहाड़ों को ज्यादा गहराई तक काटना पड़ता है। उन्हें ज्यादा विस्फोटों से उड़ाना होता है। ऐसे में सड़कजनित आपदाएं भी ज्यादा गहराने और पसरने लगती हैं। जगह-जगह ऐसे लिखे बोर्ड लगे हैं कि सड़कों के इन हिस्सों में रुके रहना भी खतरनाक है। वाहन चालकों को सलाह रहती है कि वे चलते रहें, रुके नहीं। ऐसी घटनाएं हुई?हैं जब खड़े वाहनों व चलते लोगों पर ऊपर से आकर मलबा-पत्थर गिरे हैं और लोगों की मौतें हुई हैं।

सड़कों पर मलबा आने से तीर्थयात्रियों व पर्यटकों का सड़क अवरुद्ध होने से सड़क पर फंसना आम समस्या बन गया है। उत्तराखंड में सड़कों का नुकसान मुख्य मार्गों से हटकर, शाखा मोटर सड़कों पर भी बहुत होता है। तत्कालिक सड़कों को खोलने के लिए जो उपाय किये जाते हैं, उनसे भी समस्याएं बढ़ रही हैं। बड़ी-बड़ी मशीनें तेजी से गहराई तक पहाड़ों को काटकर तत्कालिक रास्ता तो साफ कर देती हैं, परन्तु पहाड़ कमजोर हो जाते हैं। ऐसी स्थितियों में पहाड़ टूटकर भारी बोल्डर्स सड़को पर लुढ़कते रहते हैं। सड़कों के समीप रहने वाले ग्रामीणों का कहना है कि सड़कों को पहाड़ से सुरक्षित करने के लिए सुरक्षा दीवार बनाई जानी चाहिए। सड़कों के साथ साथ पहाड़ों में खेत, मकान, दुकान तक आपदा से प्रभावित होते है। खराब सड़कों के कारण किसानों व बागवानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। ठीक उस समय जब फलों की या खेती की अन्य नकदी फसलें तैयार रहती हैं और उनको बेचने का समय रहता है, उसी समय मोटर सड़कें, कई-कई दिनों तक अवरोधित हो जाती हैं। चमोली जिले में सड़कों के बाद भूस्खलन में बढ़ोतरी की बात तस्वीरों व आंकड़ों से दशकों से बताते रहे हैं। पहाड़ में सड़कें कहां बनाई जा सकती हैं, कैसे बनाई जानी चाहिए, इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

पहाड़ों में सड़कों के पास अनियोजित ढंग से और बिना जल निकासी प्रणाली का ध्यान रखते हुए, कई बार बरसाती नालों के मुहाने पर भी जब मकान व दुकानें बनने लगती हैं, तो पहले जिन जगहों पर आबादी विहीन होने के कारण जान-माल हानि का संभावनाएं न के बराबर रहती थीं, वहां भी तबाही आनी शुरू हो गई है।उत्तराखंड में बाढ़ की घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता सन 1970 के बाद से चार गुना तक बढ़ गई है। इसी तरह, भूस्खलन, बादल फटने, ग्लेशियल झील के प्रकोप आदि से संबंधित बाढ़ की घटनाओं में भी चार गुना वृद्धि हुई है, जिससे बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। राज्य के चमोली, हरिद्वार, नैनीताल, पिथौरागढ़ और उत्तरकाशी जिले बाढ़ से अत्यधिक ख़तरे में हैं।उत्तराखंड में हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ बाढ़ इस बात का सबूत है कि जलवायु संकट को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। पिछले 20 वर्षों में, उत्तराखंड ने 50,000 हेक्टेयर से अधिक वन को खो दिया है, जिससे इस क्षेत्र में सूक्ष्म जलवायु परिवर्तन हो रहे हैं। इससे राज्य में चरम जलवायु घटनाओं में वृद्धि हुई है। भूमि उपयोग आधारित वन बहाली पर ध्यान देने से न केवल जलवायु असंतुलन को दूर किया जा सकता है बल्कि राज्य में स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देने में भी मदद मिल सकती है। चरम जलवायु घटनाओं की बढ़ती आवृत्ति के कारण राज्य में विकेंद्रीकृत, संरचित, समयबद्ध डिजिटल आपातकालीन निगरानी और प्रबंधन प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता है।हाल ही में उत्तराखंड व हिमाचल प्रदेश में हुई मूसलाधार बारिश ने चारों तरफ हाहाकार मचा दिया है।लगातार हुई बारिश की वजह से अरबो रुपये का नुकसान हुआ है। (लेखक - डॉ. श्रीगोपाल नारसन /ईएमएस) (लेखक ज्वलंत मुद्दों को उठाने वाले वरिष्ठ पत्रकार है)

खेल - समाचार

पेरिस ओलंपिक में मनु , लक्ष्य सहित इन पांच खिलाड़ियों ने बनाये रिकार्ड

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक में अब तक भारत ने केवल तीन कांस्य पदक जीते हैं पर इस दौरान उसने पांच नये रिकार्ड बनाये हैं। ये रिकार्ड मनु भाकर , सरबजोत सिंह , स्वप्निल कुसाले , अनुश अग्रवाल और लक्ष्य सेन ने बनाये हैं। भारत को अब तक जो तीन पदक मिलने हैं वह सभी निशानेबाजी में मिले हैं। मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में कांस्य पदक हासिल करके इतिहास रचा था। वहीं सरबजोत सिंह की जोड़ी के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता। इसके साथ ही मनु भारत की ऐसी पहली खिलाड़ी बन गईं, जिन्होंने एक ही ओलंपिक में दो पदक जीते हैं। इसके बाद मनु 25 मीटर एयर पिस्टल महिला इवेंट के फाइनल में नंबर चार पर रहीं। वह एक ही ओलंपिक में पोजीशन इवेंट में कांस्य पदक जीता। स्वप्निल 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन इवेंट में ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय निशानेबाज हैं। वहीं भारत के एकमात्र घुड़सवार अनुश अग्रवाल ड्रेसेज इवेंट में हिस्सा लेने वाले पहले भारतीय बने। अनुश ड्रेसेज इवेंट के क्वालीफायर राउंड में नौवें स्थान पर रहे। इसके अलावा बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ओलंपिक में पुरुष एकल बैडमिंटन सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने।

पहली बार भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ओलंपिक क्वार्टर फाइनल में पहुंची

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने रोमानिया को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। ये पहली बार है जब भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंची है। भारतीय टीम ने रोमानिया के खिलाफ अच्छी शुरुआत करते हुए पहले दो मुकाबले जीतकर 2-0 की बढ़त बनाई। इसके बाद रोमानिया ने दो मैच जीत कर स्कोर 2-2 से बराबरी पर ला दिया। वहीं पांचवें और निर्णायक मुकाबले में मनिका बत्रा ने एडिना डियाकोनू को हराकर भारत को 3-2 से आगे कर दिया। इसी के साथ ही टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी।

इस मुकाबले में भारत की श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ ने शुरुआत में ही जीत दर्ज कर विरोध टीम पर दबाव बना दिया। भारतीय टीम ने पहले गेम में ही 5 अंक की बढ़त बना थी। वहीं रोमानिया की एडिना डियाकोनू और एलिजाबेत समारा ने लगातार 4 अंक जीतकर वापसी के प्रयास किये पर वह विफल रहीं। नाकाम रहीं। वहीं श्रीजा-अर्चना ने अंत में 11-9 से यह गेम अपने नाम कर लिया।

भारत ने दूसरा गेम भी 12-10 से जीता। भारतीय टीम इस गेम में लगातार पिछड़ रही थी। टीम इंडिया एक समय, 6-8, 7-9 से पीछे थी। श्रीजा और अर्चना ने इसके बाद बेहतरीन वापसी की और गेम 10-10 से बराबरी पर ला दिया। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद दूसरा गेम 12-10 से जीत लिया। रोमानियाई जोड़ी ने तीसरे गेम में भी बढ़त ली पर अंत में वापसी करते हुए भारतीय टीम ने तीसरा गेम 11-7 से जीतकर मैच पर कब्जा कर लिया।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर थोर्प नहीं रहे

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्राहम थोर्प का का निधन हो गया है। 55 साल के थोर्प पिछले दो साल से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। थोर्प को साल 2022 में अफगानिस्तान का मुख्य कोच बनाया गया था। उसी दौरान वह बीमार हो गये थे जिससे वह उबर नहीं पाये।

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा, ' बहुत दुख के साथ यह खबर साझा कर रहा है कि थोर्प का निधन हो गया है। ईसीबी ने हालांकि उनके निधन का कारण नहीं बताया। उनके परिवार में पत्नी अमांडा और चार बच्चे हेनरी, अमेलिया, किट्टी और एम्मा हैं। इंग्लैंड के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक इस बल्लेबाज ने 2000-01 सत्र के दौरान पाकिस्तान और श्रीलंका में इंग्लैंड की लगातार दो शृंखलाओं में जीत में अहम भूमिका निभाई थी। साल 1993 से 2005 तक 100 टेस्ट मैच खेलने वाले इस बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट में 44.66 की औसत से 6744 रन बनाए जिसमें 16 शतक भी शामिल हैं। इस बल्लेबाज ने सरे के लिए काउंटी क्रिकेट भी खेला है। सरे काउंटी क्रिकेट क्लब के प्रमुख ओली स्लिपर ने अपने बयान में कहा, 'थोर्प सरे के महान खिलाड़ियों में से एक हैं और हमें इस बात का बहुत दुख है कि अब हम उनके साथ ओवल में दिन नहीं बिता पाएंगे।उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

भारतीय हॉकी टीम ओलंपिक सेमीफाइनल में आज जर्मनी से खेलेगी

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय हॉकी टीम अब मंगलवार को शाम सात बजे सेमीफाइनल खेलने के लिए उतरेगी। इसमें उसका मुकाबला जर्मनी से होगा। भारत ने क्वार्टर फाइनल में ब्रिटेन जबकि जर्मनी ने अर्जेंटीना को 3-2 से हराया। वहीं एक अन्य सेमीफाइनल में दोपहर दो बजे से नीदरलैंड का सामना स्पेन से होगा। जर्मनी ने ग्रुप ए में अपने चारों मैच जीते थे। उसने अपने ग्रुप में स्पेन के अलावा हर किसी को हराया था। फ्रांस के खिलाफ उसने 8 गोल की बड़ी जीत हासिल की थी जबकि दक्षिण अफ्रीका को 5-1 से हराया था1 भारत ने ग्रेट ब्रिटेन को शूटआउट में हराया है जबकि जर्मनी ने उसे 2-1 से पराजित किया। इससे साफ है कि भारतीय टीम को जर्मनी के खिलाफ जीत के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

भारत ने भी ब्रिटेन के खिलाफ दस खिलाड़ियों से खेलते हुए जीत हासिल की है, ऐसे में उसके भी हौंसले भी बुलंद हैं। भारत ने पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में जर्मनी को हराया था जिससे विरोध टीम पर मनोवैज्ञानिक दबाव रहेगा। ऐसे में से मुकाबला रोमांचक होना तय है।

अमेरिका के नोआ लाइल्स को स्वर्ण मिलने पर उठे सवाल ,जमैका के थॉम्पसन का पैर पहले फिनिश लाइन पर पहुंचा

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक में अमेरिका के नोआ लाइल्स को पुरुष 100 मीटर के इवेंट में स्वर्ण मिलने पर सवाल उठने लगे हैं। इसका कारण है कि जमैका के किशन थॉम्पसन का पैर पहले लाइन के पार हुआ था। इस दौरान सभी धावकों की टाइमिंग तकरीबन बराबर रही।

इस जीत के साथ ही अमेरिका के नोआ दुनिया के सबसे तेज धावक बन गए हैं। वहीं थॉम्पसन दूसरे नंबर पर रहे। रेस समाप्त होने के बाद तक किसी को पता नहीं था कि विजेता कौन है। 100 मीटर की रेस में लाइल्स और थॉम्पसन ने तकरीबन एक साथ ही फिनिशिंग लाइन को पार किया था। इसके बाद स्वर्ण का फैसला रिप्ले में हुआ। इसमें पता चला कि लाइल्स 0.005 सेकंड से मुकाबला जीत गये हैं।

फाइनल का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें स्वर्ण विजेता अमेरिका के लाइल्स से पहले थॉम्पसन का पैर फिनिशिंग लाइन को पार करते हुए दिखा है। इसके बाद सभी इससे हैरान हैं कि अमेरिकी धावक को कैसे विजेता घोषित कर दिया गया। नियम के अनुसार किसी भी रेस में फिनिशिंग लाइन को पहले बार करने वाला धावक विजेता माना जाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि फिनिशिंग लाइन तो थॉम्पसन ने पार की फिर नोआ लाइल्स को कैसे जीता हुआ माना लिया गया। वहीं नियम के अनुसार धावक के पैर या हाथ के फिनिशिंग लाइन पार करने से दौड़ पूरी नहीं मानी जाती। ये तब पूरी मानी जाती है जब धावक का सीना फिनिश लाइन को पार कर ले।

पेरिस ओलंपिक में ध्वजवाहक होंगी मनु

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में मनु भाकर भारत की ध्वजवाहक होंगी। मनु ने यहां निशानेबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो कांस्य पदक जीते हैं। मनु ने 10 मीटर एयर पिस्टल के व्यक्तिगत वर्ग में कांस्य पदक जीतकर भारत को पहला पदक दिलाया था। इसके बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल की मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता था। भारतीय ओलंपिक संघ के एक अधिकारी ने कहा, ''मनु को ध्वजवाहक के रूप में चयनित किया गया है क्योंकि उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। इसलिए वह इस सम्मान की अधिकारी हैं। '' वहीं मनु ध्वजवाहक बनने को लेकर उत्साहित है। इस निशानेबाज ने कहा था कि भारत का ध्वजवाहक बनना सम्मान के साथ ही गर्व की बात होगी। मनु ने कहा,''भारतीय दल में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो मेरे से अधिक अधिकारी हैं पर अगर मुझे ऐसा करने के लिए कहा जाता है तो यह वास्तविक सम्मान होगा।'' भारतीय ओलंपिक संघ ने अभी तक पुरुष वर्ग में ध्वजवाहक का नाम घोषित नहीं किया है।

क्या..............ईरान पर पहले ही बड़ा हमला कर देगा इजराइल

तेल अवीव (ईएमएस)। इजरायल को लगा कि ईरान की ओर से अटैक होना तय है, तब वहां तेहरान की कार्रवाई का इंतजार किए बिना बड़ा हमला कर सकता है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने देश के सुरक्षा प्रमुखों के साथ बैठक की है। बैठक के बाद स्थानीय मीडिया ने दावा किया कि अगर ईरान को इसके पुख्ता सबूत मिल जाते हैं कि तेहरान हमला करने की तैयारी कर रहा है, फिर इजरायली सेना ईरान को रोकने के लिए एक पहले ही हमला करने पर विचार करेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, ये अटकलें जोर पकड़ रही हैं कि ईरान और हिजबुल्लाह आने वाले दिनों में इजरायल पर हमला कर सकता है। इसकी वजह बीते दिनों बेरूत में हिजबुल्लाह कमांडर फुआद शुकर और तेहरान में हमास नेता इस्माइल हनीयेह की हत्या होना है। इसके बाद इजरायल विचार कर रहा है कि वह किस तरह से संभावित हमले का सबसे जवाब दे सकता है या हमले को रोक सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू के साथ बैठक के दौरान इस पर चर्चा की गई ईरान की ओर से हमला तय पाया जाए, तब पहले ही इजरायल को अटैक कर देना चाहिए। हालांकि सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि यह कदम तभी उठाया जाएगा जब इजरायल को इसकी पुष्टि करने वाली खुफिया जानकारी मिले कि तेहरान हमला करने वाला है।

इजराइल की तरह ही अमेरिका को भी साफ नहीं है कि ईरान की ओर से किया जाने वाला हमला कैसा हो सकता है। माना जा रहा है कि ईरान ने अभी तक अपनी कार्रवाई को लेकर कोई आखिरी फैसला नहीं लिया है। ईरान का हिजबुल्लाह और हमास से भी ठीक से समन्वय ना हो पाने की बात कही जा रही है।

किम जोंग ने दिखाई ताकत, परमाणु लैस 250 मिसाइल लॉन्चर सेना को सौंपे

प्योंगयांग,(ईएमएस)। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने अमेरिका के संभावित खतरों का मुकाबला करने के लिए अपनी सेना के परमाणु कार्यक्रम के निरंतर विस्तार कर रहे हैं। उत्तर कोरिया ने अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैन्य इकाइयों में परमाणु सक्षम 250 मिसाइल लॉन्चर शामिल किए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश की युद्ध सामग्री संबंधी फैक्टरियों में इन मिसाइल लॉन्चर को सामरिक रूप से महत्वपूर्ण बैलिस्टिक मिसाइलों को दागने के लिए बनाया है। किम ने प्योंगयांग में एक कार्यक्रम में कहा कि नए मिसाइल लॉन्चर उसकी अग्रिम मोर्चे की इकाइयों को दक्षिण कोरिया के खिलाफ जबरदस्त प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करेंगे और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण परमाणु हथियारों के संचालन को ज्यादा व्यावहारिक एवं कुशल बनाएंगे। सरकारी मीडिया में आई तस्वीरों में सड़क पर सेना के लॉन्चर ट्रक की कतारें नजर आ रही हैं। इस कार्यक्रम में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया और इसमें भव्य आतिशबाजी भी की।

विशेषज्ञों का कहना है कि किम की बढ़ती धमकियों और हथियार परीक्षण के जरिये शक्ति प्रदर्शन को व्यापक रूप से अमेरिका पर उत्तर कोरिया को परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में स्वीकार करने और उस पर लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने का दबाव डालने के प्रयास के तौर पर देखा जाता है। उत्तर कोरिया ऐसे वक्त में तनाव बढ़ाने की कोशिश भी कर सकता है, जब अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं।

अमेरिका और इजराइल करे सही......भारत करे तो गलत

पन्नू मामले में दुनिया का दोमुंहा रवैया

तेहरान (ईएमएस)। इस साल मई से अब तक तीन महीने में, इजरायल के दुश्मन कहे जाने वाले पांच लोग मारे गए हैं। 24 मई को ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और उनके विदेश मंत्री हुसैन की एक संदिग्ध हेलीकॉप्टर हादसे में मौत हुई। 1 जुलाई को गाजा में हमास के सैन्य कमांडर मोहम्मद दीफ को मार डाला। इसके दो हफ्ते बाद हिजबुल्लाह कमांडर फुआद शुकर को बेरुत में एक हवाई हमले में निपट दिया। पांचवीं हत्या 31 जुलाई को हमास नेता इस्माइल हानियेह की तेहरान में हुई। वहीं हानिया की मौत पर चुप्पी के बावजूद ये साफ है कि इजरायल के इशारे पर ये हत्या हुई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका और इजरायल के घनिष्ठ सहयोग के चलते विदेशी धरती पर गैर-नागरिकों की हत्या से संबंधित कई अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन होने के बावजूद इनकी बहुत कम चर्चा हुई हैं। वहीं अमेरिकी मीडिया को इन हत्याओ में कोई खराबी नहीं दिख रही है। जबकि कथित तौर पर भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की कथित हत्या के प्रयास को प्रमुखता से उठाया था। इस मामले में एक भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता न्यूयॉर्क की जेल में है। वहीं कनाडा में खालिस्तानी निज्जर की हत्या पर भी भारत को आलोचना का शिकार होना पड़ा है।

पाकिस्तान, कनाडा और दूसरे दूसरे देशों में भारत विरोधियों के मारे जाने से यह साबित हुआ है कि ये देश उन लोगों को शरण दे रहे हैं जो आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हैं और कई अनुरोधों के बावजूद इन अपराधियों को पकड़ने में विफल रहे हैं। इस तरह का तर्क इजराइल और अमेरिका भी विदेशी धरती पर कार्रवाई को जायज ठहराने के लिए देते हैं और कहते हैं कि मेजबान देश उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रहा था। हालांकि अपने अलावा दूसरे देशों के लिए उनका रवैया बदल जाता है। भारत और इजरायल-अमेरिका के दुश्मनों की मौत में एक खास अंतर रहा है कि जहां इन देशों को न्यायेतर हत्याओं को अंजाम देकर क्षेत्र में शांति लाने में उनकी भूमिका के लिए सराहना मिली है।

देश की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 7-7.2 प्रतिशत बढ़ने की संभावनाः डेलॉयट

नई दिल्ली (ईएमएस)। डेलॉयट इंडिया ने सोमवार को कहा कि मजबूत आर्थिक बुनियादी ढांचे और घरेलू नीति सुधारों में निरंतरता से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था सात से 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। डेलॉयट के अगस्त माह के भारत आर्थिक परिदृश्य के अनुसार केंद्रीय बजट 2024-25 में कृषि उत्पादकता में सुधार, युवाओं के लिए रोजगार सृजन, विनिर्माण तथा सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए वित्त तक पहुंच की चुनौती का समाधान करने की दिशा में की गई कई पहलों से आपूर्ति पक्ष की मांग में सुधार, मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। डेलॉइट इंडिया की एक अर्थशास्त्री ने कहा कि वर्ष के पहले छह महीनों में अनिश्चितता के दौर के बाद भारत दूसरी छमाही में मजबूत वृद्धि दर्ज करेगा। आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा गया, मजबूत आर्थिक बुनियाद वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत से 7.2 प्रतिशत के बीच रहेगी। शहरी-ग्रामीण उपभोक्ता व्यय अंतर, मुद्रास्फीति तथा रोजगार संबंधी चिंताओं से प्रभावी ढंग से निटपने से महत्वाकांक्षी ग्रामीण उपभोक्ताओं की सामर्थ्य में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। डेलॉइट इंडिया का वृद्धि अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुमान के बराबर है। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। यह वित्त मंत्रालय की आर्थिक समीक्षा में लगाए अनुमान से अधिक है, जिसमें जीडीपी विस्तार का अनुमान 6.5 से सात प्रतिशत के बीच लगाया गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है।

पंजाब नेशनल बैंक से 22 लाख की लूट

पटना (ईएमएस)। पटना में पंजाब नेशनल बैंक से सोमवार सुबह 22 लाख की लूट हुई है। 3 से 4 की संख्या में आए बदमाशों ने इस लूटकांड को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि पालीगंज दुल्हिन बाजार थाना क्षेत्र के कोरैया गांव में स्थित पंजाब नेशनल बैंक में अपराधी कस्टमर बनकर आए थे। इसके बाद अचानक से हथियार निकालकर बैंक और दूसरे ग्राहकों को बंधक बना लिया।

बंधक बनाने के बाद बैंक के किचन में सभी को बंद कर दिया। फिर पिस्टल दिखाकर बैंक कर्मचारियों से लॉकर खुलवाया। इसके बाद लॉकर से 22 लाख लूट कर फरार हो गए। सभी अपराधी काले रंग की अपाचे बाइक पर सवार होकर आए थे।

9 सालों बाद इतना क्यों उछाल, शेयर बाजार में डर का मीटर

मुंबई (ईएमएस)। सोमवार का दिन शेयर बाजार के लिए ब्लैक मंडे साबित हुआ। यूरोपिय और एशियन बाजारों सहित दुनियाभर के तमाम बाजारों में बिकवाली देखने को मिला। भारतीय शेयर बाजार भला कैसे इससे अछूता रहता। सेंसेक्स में 2200 अंकों से अधिक, निफ्टी50 में करी 700 अंकों की भारी-भरकम गिरावट दर्ज की गई है। आज के दिन शेयर बाजार में ऐसा महाखौफ देखने को मिला, जो आज से 9 साल पहले दिखा था।

इंडिया विक्स को शेयर बाजार में डर का मीटर कहा जाता है। यह एक इंडीकेटर है, जो बाजार में व्याप्त भय को दिखाता है। यह जितना अधिक होता है, बाजार में गिरावट के आसार उतने ही ज्यादा होते हैं। सोमवार को एक ही दिन में यह 52 फीसदी उछल गया। इससे पहले ऐसा ही सीन 2015 में बना था। यहां तक कि कोरोना में बाजार बहुत तेजी से गिरा था, लेकिन विक्स एक ही दिन में इतना अधिक नहीं उछला था।

सोमवार को इंडिया विक्स ने 52 प्रतिशत की उछाल के साथ 20 के स्तर को पार किया। अगस्त 2015 के बाद से सूचकांक के लिए सबसे बड़ा एक-दिवसीय उछाल है।

बीएसई के कुछ 500 स्टॉक, जो सोमवार के कारोबार में अपने निचले सर्किट की सीमा तक पहुंच गए। इसमें रिलायंस पावर लिमिटेड, जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड (जेपी पावर), कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई), वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड और स्वान एनर्जी लिमिटेड जैसे धाकड़ नाम भी शामिल हैं। सेंसेक्स में 2200 अंकों से अधिक, निफ्टी50 में करी 700 अंकों की भारी-भरकम गिरावट दर्ज की गई है। आज के दिन शेयर बाजार में ऐसा महाखौफ देखने को मिला, जो आज से 9 साल पहले दिखा था। समझा जाता है कि फेडरल ब्याज दरों में कटौती में देरी से अमेरिका में मंदी आएगी और विदेशों से पैसे की निकासी हो सकती है।

बेडरूम में मिली गुप्त अलमारी......खोलने पर पुलिस की आंखें फटी रह गई

सिरमौर (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। पुलिस ने नशा तस्कर के घर पर छापेमारी कर 59 लाख 10 हजार की नकदी बरामद की है। नशा तस्कर ने बेडरूम में गुप्त रूप से बनाई अलमारी के अंदर कैश रखा हुआ था। पुलिस की दबिश से पहले ही आरोपी संजय कुमार फरार हो गया।

पुलिस ने बताया कि संजय कुमार पांवटा साहिब में नशे का कारोबार करता है। रविवार को उसके घर पर छापेमारी की गई। तब एक अलमारी में 500-500 के मंडल बरामद किए। फिलहाल पुलिस संजय की पत्नी से इन पैसों को लेकर पूछताछ कर रही है। बता दें कि आरोपी नशा तस्कर के घर में इससे पहले भी छापेमारी की गई थी। जानकारी के अनुसार 15 अगस्त, 2017 को भी संजय के घर पर छापेमारी की गई थी। तब 16.89 ग्राम स्मैक उससे बरामद की गई थी। उसके बाद फिर पुलिस ने 6 फरवरी, 2020 को छापेमारी की थी। इस दौरान भी पुलिस ने आरोपी से 2.40 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया था।

घर पर अबॉर्शन को मजबूर अमेरिकी महिलाएं

नई दिल्ली(ईएमएस)। दो साल पहले अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात पर पाबंदी लगाते हुए राज्यों को अपनी तरफ से कानून में घट-बड़ करने की छूट दे दी। इसके बाद से वहां बड़ा बदलाव आया। गर्भपात हो तो अब भी रहे हैं, लेकिन घरेलू तरीकों से। कई बार मामले इतने बिगड़ जाते हैं कि महिला को अस्पताल जाने की नौबत आ जाती है। हाल में हुए एक सर्वे में ये बात निकलकर आई। इसके मुताबिक, खुद से अबॉर्शन करने वाली महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ी। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन की पत्रिका जेएएमए नेटवर्क ओपन जर्नल ने बीते मंगलवार एक सर्वे के नतीजे छापे। रिसर्चरों ने सर्वे के पहले छह महीनों में 7 हजार महिलाओं, जबकि सालभर बाद 7 हजार से कुछ ज्यादा महिलाओं से समूहों से बात की। इसमें उन्होंने माना कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद से वे घर पर खुद ही अबॉर्शन के लिए मजबूर हैं। शोध छोटे ग्रुप पर किया गया लेकिन शोधकर्ताओं ने माना कि ऐसी औरतों की संख्या लाखों में हो सकती है।

सोना 70 हजार के पार, चांदी भी हुई महंगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने-चांदी के वायदा भाव कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव सोमवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 70,150 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 83,150 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में भी सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 255 रुपये की तेजी के साथ 70,044 रुपये के भाव पर खुला।

इस समय यह 346 रुपये की तेजी के साथ 70,135 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 712 रुपये की तेजी के साथ 83,205 रुपये पर खुला। इस समय यह 637 रुपये की तेजी के साथ 83,130 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,490.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

पिछला बंद भाव 2,469.80 डॉलर प्रति औंस था। इससमय यह 9.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,479.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.67 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.39 डॉलर था।इस समय यह 0.16 डॉलर की तेजी के साथ 28.55 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अब एक से ज्यादा बैंक में अकाउंट रखने पर जुर्माना!

- पीआईबी ने सोशल मी?डिया में चल रहे मैसेज को फर्जी बताया

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं का फायदा उठाने के लिए आपके पास बैंक अकाउंट होना जरूरी है ले?किन कई लोग एक से ज्यादा बैंकों में अकाउंट रखते हैं। इस दौरान सोशल मीडिया पर एक मैसेज वायरल हो रहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नई गाइडलाइंस के मुताबिक अब एक से ज्यादा बैंक में अकाउंट रखने पर जुर्माना लगाया जाएगा। भारत सरकार की प्रेस एजेंसी प्रेस इनफार्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) ने इस वायरल मैसेज की सच्चाई बताई है। पीआईबी ने लोगों को सावधान करते हुए ट्वीट किया है ?कि कुछ आर्टिकल में यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक की नई गाइडलाइंस के अनुसार अब एक से ज्यादा बैंक में खाता रखने पर जुर्माना लगाया जाएगा। पीआईबी ने इस दावे को पूरी तरह से फर्जी बताया है। एजेंसी ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक ने ऐसी कोई गाइडलाइन जारी नहीं की है। बता दें कि आप भी सरकार से जुड़ी कोई भ्रामक खबर जानने के लिए पीआईबी फैक्ट चेक की मदद ले सकते हैं। कोई भी व्यक्ति पीआईबी फैक्ट चेक को भ्रामक खबर का स्क्रीनशॉट, ट्वीट, फेसबुक पोस्ट या यूआरएल वॉट्सएप नंबर 8799711259 पर भेज सकता है या फिर फैक्टचेक एटदरेट पीआई बी डॉट जीओबीडॉटइन को मेल कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने फेडरेशन पर लगाया 1 लाख का जुर्माना-डेथ चैंबर बन गए हैं कोचिंग सेंटर

नई दिल्ली(ईएमएस)। कोचिंग सेंटरों में मौजूद खतरों और लगातार हो रहे हादसों के मद्देनजर सेफ्टी के लिए गाइडलाइन बनाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए बडा आदेश दिया है। कोर्ट ने दिल्ली के कोचिंग सेंटर्स को डेथ चेंबर बताया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता कोचिंग सेंटर फेडरेशन पर एक लाख रुपए जुर्माना भी लगाया है।

दिल्ली के राजिंदर नगर में कोचिंग सेंटर में यूपीएससी के छात्रों की मौत के बाद सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के कोचिंग सेंटरों की सुरक्षा को लेकर स्वतः संज्ञान लेकर भारत सरकार, दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि कोचिंग सेंटर बच्चों की जिंदगी से खेल रहे हैं। कोचिंग सेंटर डेथ चैंबर बन गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार और दिल्ली के चीफ सेक्रेटरी को नोटिस जारी कर पूछा कि कोचिंग सेंटरों में क्या सेफ्टी के नियम लागू किए गए है? सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल को इस मामले में कोर्ट की सहायता करने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि हमारा ये सोचना है कि अगर कोचिंग सेंटर सेफ्टी नॉर्म को पूरा नही करते तो इनको ऑन लाइन मोड में कर दिया जाना चाहिए। लेकिन फिलहाल हम ये नहीं कर रहे हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने पर सुप्रीम कोर्ट ने कोचिंग सेंटर फेडरेशन के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया। दिल्ली हाईकोर्ट ने मुखर्जी नगर कोचिंग हादसे के बाद जिन कोचिंग सेंटर के पास फायर एनओसी नहीं है उन्हे बंद करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के आदेश को कोचिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

बन गया डमरू नाद का विश्व रिकार्ड

1500 डमरू वादकों ने उमंग से बजाया डमरू; मंगल नाद से गूंजा उज्जैन

उज्जैन(ईएमएस)। भगवान भोलेनाथ के प्रिय वाद्य यंत्र डमरू के नाद से अवंतिका नगरी गूंज उठी। उज्जैन में 1500 वादकों ने डमरू वादन कर फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन न्यूयॉर्क के 488 डमरू वादन का रिकार्ड तोड़ दिया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की पहल पर उज्जैन ने डमरू वादन का विश्व कीर्तिमान रचा गया। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के एडिटर ऋषिनाथ ने डमरु वादन के वर्ल्ड रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने डमरू वादन के विश्व रिकॉर्ड के लिए उज्जैन को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

बता दें कि 25 दलों के 1500 डमरु वादकों ने भस्म आरती की धुन पर डमरु वादन कर भगवान महाकाल की स्तुति की। गिनीज बुक विश्व रिकार्ड बनाने के लिए एक साथ 1500 कलाकार भगवान शिव को प्रिय वाद्य डमरू, झांझ मंजीरे की सुरमयी मंगल ध्वनि आकर्षण का केंद्र बन गई। समूची उज्जैन नगरी डमरू की गूंज से गुंजायमान हो गई। महाकाल महालोक के सामने शक्तिपथ पर अदभुत अनूठे आयोजन में भगवा वस्त्रों में डमरूवादक कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुति ने सभी को भावविभोर किया।

इनकम टैक्स रिफंड के नाम पर धोखाधड़ी का खेल शुरू, रहें सावधान

- आपके मोबाइल पर आयकर ?रिफंड का मैसेज आए तो क्लिक ना करें वरना बैंक खाता हो जाएगा खाली

नई दिल्ली (ईएमएस)। अब इनकम टैक्स रिफंड के नाम पर धोखाधड़ी का खेल शुरू हो गया है। ऐसे में उन तमाम टैक्सपेयर्स को सतर्क रहने की जरूरत है जिन्होंने आईटीआर दाखिल किया है। आयकर रिफंड के नाम पर हाईटेक ठगी के प्रयास किए जा रहे हैं। साइबर ठग, टैक्सपेयर्स के मोबाइल पर फर्जी आयकर रिफंड का मैसेज भेज रहे हैं। इन मैसेज में आयकर रिफंड की रकम जारी करने के लिए यूजर्स को एक लिंक पर क्लिक करने को कहा जा रहा है। टैक्सपेयर्स द्वारा इस फर्जी लिंक पर क्लिक करते ही उनके बैंक अकाउंट से पैसे निकाले जा रहा हैं। आयकर विभाग ने करोड़ों टैक्सपेयर्स को साइबर ठगों की इस जालसाजी से सावधान किया है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने आयकर रिफंड के नाम पर किसी तरह की लिंक पर क्लिक नहीं करने की सलाह दी है, साथ ही किसी भी सूरत में मोबाइल पर आए ओटीपी, पैन कार्ड व अन्य महत्वपूर्ण जानकारी साझा नहीं करने को कहा है। वहीं साइबर सेल ने भी आईटीआर के नाम पर आ रहे इस तरह के मैसेज को लेकर लोगों को आगाह किया है। साइबर क्राइम पुलिस ने कहा कि इस तरह के मैसेज बैंक धोखाधड़ी के नए हथकंडे हैं इसलिए आप सावधान रहें और अपने परिचितों को भी सतर्क करें।

क्या पाकिस्तान के करीबी कट्टरपंथियों की देन बांग्लादेश हिंसा

मुजीबुर रहमान की मूर्ति को तोड़ना इस ओर इशारा

नई दिल्ली (ईएमएस)। बांग्लादेश में आरक्षण के मसले पर शुरू हुआ विरोध अब बेकाबू हो गया है। देश के बिगड़ते हालातों के बीच पीएम पद से शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया है। इस बीच सेना ने बांग्लादेश की कमान अपने हाथ में ले ली है। लेकिन, सवाल यह है कि केवल आरक्षण के मसले पर ही प्रदर्शनकारी इतने उग्र हो गए कि सरकार संभालने में नाकाम हो गई?

दरअसल, प्रदर्शन के दौरान एक तस्वीर सामने आई, जो बहुत कुछ बयान कर रही है। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की मूर्ति को तोड़ दी है। बांग्लादेश की राजनीति में शेख मुजीबुर रहमान का कद कुछ ऐसा ही है जैसा भारत में महात्मा गांधी हैं। रहमान ने भारत के सहयोग से 1971 में पाकिस्तानी जुर्म का मुकाबला कर बांग्लादेश को स्वतंत्र कराया था। हालांकि, इतना बड़ा काम करने के बावजूद मुजीबुर रहमान को लेकर बांग्लादेश की आवाम का एक तबका हमेशा से उनके खिलाफ रहा। इसकारण रहमान की 15 अगस्त 1975 को उनके पूरे परिवार के साथ हत्या कर दी गई। उस वक्त वे बांग्लादेश के राष्ट्रपति थे। उनकी हत्या के बाद देश में सैन्य शासन स्थापित हुआ। इस हत्याकांड को कोई और नहीं बल्कि बांग्लादेश की सेना के एक धड़े ने ही अंजाम दिया था।

दरअसल, बांग्लादेश की आवाम शुरू से दो धड़ों में बंटी है। एक धड़ा कट्टरपंथियों का है, जो पाकिस्तानी सेना का जुर्म सहने के बाद भी आज भी पाकिस्तान के करीब है। हालांकि, इसतरह के कट्टरपंथियों की संख्या बहुत कम है। ये कट्टरपंथी समुदाय मुख्य रूप से बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के समर्थक रहे हैं। इसकी नेता बेगम खालिदा जिया रही हैं। वह बांग्लादेश के एक पूर्व सैन्य शासक की बेगम हैं।

बांग्लादेश में आगजनी और भीषण हिंसा हो रही है। देश में हालात बेकाबू हो चुके हैं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और सत्तारूढ़ पार्टी के समर्थकों के बीच झड़पें शुरू हुईं। माना जा रहा है कि बीते दिनों बांग्लादेश सरकार की ओर से कट्टरपंथी दल जमात-ए-इस्लामी पर लगाए गए बैन के कारण ही छात्रों का यह प्रदर्शन हिंसा में बदल गया।

प्रदर्शनकारी इतने उग्र हो गए कि उन्होंने सरकारी संपत्तियों को आग के हवाले कर पीएम हाउस के भीतर घुस गए। वीडियों में प्रदर्शनकारियों को पीएम हाउस के भीतर घुसकर मौज-मस्ती करते हुए देखा जा रहा है। इतना ही नहीं कुछ लोगों को बांग्लादेश के राष्ट्रपिता कहे जाने वाले शेख मुजीब की मूर्ति पर चढ़कर हथौड़ा चलाते भी देखा गया।

दरअसल हसीना सरकार ने हाल ही में जमात-ए-इस्लामी, इसकी छात्र शाखा और इससे जुड़े अन्य संगठनों पर प्रतिबंध लगाया था। यह कदम बांग्लादेश में कई सप्ताह तक चले हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद उठाया गया था। कहा जा रहा है कि सरकार की इस कार्रवाई के बाद ये संगठन शेख हसीना सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं।जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध लगाने का फैसला शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के नेतृत्व वाले 14 पार्टियों के गठबंधन की मीटिंग में लिया गया था। मीटिंग के दौरान कथित रूप से सहयोगी पार्टियों ने भी कट्टर पार्टी पर बैन लगाने की अपील की थी।

जमात-ए-इस्लामी एक राजनीतिक पार्टी है, जिसे बांग्लादेश में कट्टरपंथी माना जाता है। यह राजनीतिक पार्टी पूर्व पीएम खालिदा जिया की समर्थक पार्टियों में शामिल है। जमात-ए-इस्लामी की स्थापना 1941 में ब्रिटिश शासन के तहत अविभाजित भारत में हुई थी। 2018 में बांग्लादेश हाई कोर्ट के फैसले का पालन करते हुए चुनाव आयोग ने जमात का पंजीकरण रद्द कर दिया था। इसके बाद जमात चुनाव लड़ने से अयोग्य हो गई थी।

गैर जमानती धारा 354 का दुरुपयोग 11 साल में तीन गुना बढ़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) में धारा 354 को गैर जमानती अपराध के रूप में संशोधन हुआ है। उसके बाद से इसका दुरुपयोग बढ़ गया है।पिछले 11 साल में इस धारा में तीन गुना ज्यादा मामले दर्ज हो रहे हैं। जिस भी अपराध को गैर जमानती बनाया जाता है।उसके बाद से ही उसका दुरुपयोग शुरू हो जाता है।

जब से 354 को गैर जमानती धारा बनाया गया है।उसके बाद से जमीनों के झगड़े में धारा 354 का उपयोग होने लगा है। ससुराल के खिलाफ यदि कोई शिकायत करनी है।तो 498 के साथ अब धारा 354 भी दर्ज होने लगी है। जब धारा 498 ए का दुरुपयोग होने लगा था।सुप्रीम कोर्ट के आदेश से तुरंत गिरफ्तारी रोकने का आदेश दिया गया। उसके बाद अब 354 का उपयोग साथ में होने लगा है। आपसी रंजिश, कार्यालय में महिला से वाद विवाद, लड़कियों के घर से भागने पर अब जो शिकायत दर्ज कराई जाती है। उसमें धारा 354 का कैसे बने,इस बात की शिकायत कराई जाती है।जब से 354 गैर जमानती अपराध हुआ है। उसके बाद पुलिस भी 354 का अपराध दर्ज करने में विशेष रुचि लेने लगी है।

2007 से 2012 के बीच में कुल 14620 मामले दर्ज हुए थे।2012 में जब निर्भया कैस हुआ था। उसके बाद धारा 354 को गैर जमानती अपराध घोषित किया गया था।उसके बाद साल दर साल 354 के मामले बढ़ना शुरू हो गए।2014 के पहले जहां औसतन 2300 मामले प्रतिवर्ष दर्ज होते थे।2023 में इसकी संख्या बढ़कर 12381 पर पहुंच गई है। पुलिस जांच में लगभग 42 फ़ीसदी मामले झूठे पाए गए हैं। धारा 354 का उपयोग महिला के साथ ज्यादती या लज्जा भंग करने के प्रयास में लागू होती है। 2013 में 4829 मामलों पर धारा 354 का उपयोग हुआ था।जो 2023 में बढ़कर 12381 हो गया है। गैर जमानती अपराध घोषित होने के बाद अपराध कम होने के स्थान पर तेजी के साथ बढ़ते हैं।जब कड़े कानून बनाए जाते हैं। उनका दुरुपयोग तुरंत शुरू हो जाता है। अपराधिक घटनाएं भी बढ़ जाती हैं। इस तरह के कानून बनाने का फायदा है,या नुकसान। इसकी सही समीक्षा सरकार और न्यायपालिका को करनी चाहिए।

लाखों करोड़ों रुपयों का बन गया है, वेडिंग व्यवसाय,रोजगार के अवसर बढ़े

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में शादियों की अर्थव्यवस्था सबसे बड़ी है।शादियों में लोग अपनी हैसियत से अधिक खर्च करते हैं। गरीब से गरीब और अमीर से अमीर अपनी हैसियत के हिसाब से शादी में पैसा खर्च करना चाहता है। इसके लिए वह कर्ज भी लेता है।

पिछले कुछ वर्षों में वेडिंग समारोह के लिए अब पैकेज के माध्यम से शादियों का चलन बढ़ा है। वेडिंग प्लानर पूरा ठेका लेकर हैसियत के अनुसार धर्मशाला,मंगल भवन, होटल, मैरिज हॉल, पार्क,इत्यादि में शादी समारोह के लिए सभी इंतजाम वेडिंग ऑर्गेनाइजर करते हैं। दूल्हा-दुल्हन बराती-घराती, पंडित, फोटोग्राफर, सजावट करने वाले,बैंड-बाजा शहनाई यहां तक की पगड़ी बांधने वाले एक ही जगह पर मिल जाते हैं। इसके लिए किसी को भाग दौड़ नहीं करनी पड़ती है।

भारत में वेडिंग प्लानर का धंधा बड़ी तेजी के साथ बढा है। अभी तक अभिजात्य तथा मिडिल क्लास में वेडिंग प्लानर की आवश्यकता होती थी। लेकिन अब गरीब से गरीब व्यक्ति भी वेडिंग प्लानर की सहायता से शादी के आयोजन करा रहे हैं। भारत में करोड़ों लोगों को शादी की अर्थव्यवस्था से रोजगार मिलता है। महाराष्ट्र के पुणे जिले का आलंदी गांव पिछले तीन-चार सालों से वेडिंग विलेज के रूप से जाना जा रहा है।शादियों के मुहूर्त में यहां पर 1 दिन में 1200 से ज्यादा शादियां हो जाती हैं। जब शादी के मुहूर्त नहीं होते हैं।उस समय भी यहां पर 200 से 300 शादियां प्रतिदिन होती हैं।

आलंदी गांव की आबादी मात्र 40000 है। यहां पर 500 से अधिक मंगल भवन और कई धर्मशालाएं हैं।एक ही छत के नीचे एक ही समय पर यहां फोटोग्राफर, सजावट करने वाले, शादी की सभी रस्मों रिवाज करने वाले सभी धर्म के पंडित, मौलवी, पादरी इत्यादि की व्यवस्था,वेडिंग प्लानर करते हैं। बैंड बाजे भी यहां उपलब्ध होते हैं। वेडिंग प्लानर, प्रेम विवाह,अंतरजातीय विवाह,कोर्ट मैरिज,वैदिक रीति रिवाज केअनुसार विवाह कराने की व्यवस्था करते हैं। शादी की वीडियो शूटिंग, शादी का प्रमाण पत्र, यदि कोर्ट मैरिज है, तो उसके लिए वकील,कोर्ट में मैरिज रजिस्टर्ड कराने का काम सब एक ही स्थान पर हो जाता है।

वेडिंग विलेज में साधारण विवाह 4500 रुपए में भी संभव हो जाता है। इसे सस्ता विवाह दुनिया में कहीं नहीं होता है। इस राशि में विवाह प्रमाण पत्र,पुलिस सुरक्षा, दूल्हा दुल्हन के विवाह की सामग्री इत्यादि उपलब्ध कराई जाती है। विशेष विवाह के लिए 12500 रुपए लिए जाते हैं। इसमें फोटोग्राफर 10 फोटो देते हैं।शादी का वीडियो बनाया जाता है। शादी का प्रमाण पत्र, विवाह में लगने वाली संपूर्ण सामग्री, पंडित जी की फीस, हाल और सजावट वेडिंग प्लानर द्वारा की जाती है। गरीब और मध्यम वर्ग के लोग अपनी आर्थिक हैसियत के अनुसार शादी के लिए जिस तरह की व्यवस्था चाहते हैं। उसके अनुसार वेडिंग प्लानर व्यवस्था करते हैं। यहां बड़े मैरिज हाल भी हैं।मांग के अनुरूप सारी व्यवस्थाएं वेडिंग प्लानर बहुत कम समय में कर देते हैं। जिसके कारण आसपास के परिवार यहीं पर आकर शादी समारोह की व्यवस्था कराते हैं। यहां सस्ते में और अच्छी तरह से शादियां हो जाती हैं।

शादियों में अब वेडिंग प्लानर की व्यवस्था भारत के प्रत्येक शहर में देखने को मिलने लगी है। वेडिंग प्लानर सारी व्यवस्था करते हैं। उनके पास सभी किस्म के लोग होते हैं। मांग के अनुरूप वह उपलब्ध कराते हैं। जिसके कारण एक-एक वेडिंग प्लानर लाखों रुपए प्रतिमाह की कमाई कर रहे हैं।वहीं उनके माध्यम से प्रतिदिन लाखों लोगों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है। भारत में वेडिंग प्लानर का काम बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। इसके साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। कम खर्चे में बेहतर शादियां भी होने लगी हैं।

ऑस्ट्रेलिया सरकार ने आतंक के खतरे का स्तर बढ़ाया, संभवतः को किया संभावित

कैनबरा,(ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने आतंकवाद के खतरे की चेतावनी के स्तर को संभवत से बढ़ाकर संभावित कर दिया। इसके लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने युवाओं में बढ़ती कट्टरता और इजराइल-हमास संघर्ष के चलते सामुदायिक तनाव के बारे में चिंताओं का हवाला दिया है।

ऐसा पहली बार है जब नवंबर 2022 के बाद से खतरे के स्तर को पांच-स्तरीय नेशनल टेररिजम थ्रेट एडवाइजरी सिस्टम के बीच बढ़ा दिया गया। ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथोनी अल्बानीज ने कहा कि अधिकारियों का मानना है कि मौजूदा हालात में आतंकवाद एक बड़ा खतरा है, लेकिन उन्हें किसी विशेष खतरे के बारे में जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं आस्ट्रेलिया के लोगों को कहना चाहता हूं कि संभावित का मतलब यह नहीं है कुछ होने वाला है और इसका अर्थ यह भी नहीं है कि किसी धमकी या खतरे के बारे में खुफिया जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि सरकार देश की जासूसी एजेंसी 'ऑस्ट्रेलियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस ऑर्गेनाइजेशन' की सलाह पर काम कर रही है। पीएम एंथोनी ने कहा कि हमें जानकारी मिल रही है कि आस्ट्रेलिया के लोग कई प्रकार की चरमपंथी विचारधाराओं को अपना रहे हैं और सतर्क रहना हमारी जिम्मेदारी है।

किसी की सुनने को तैयार नहींः केवल युद्ध की जिद पर अड़े दोनो देश,कभी भी छिड़ सकती है जंग

तेल अवीव(ईएमएस)। ईरान और इजरायल केवल युद्ध की जिद पर अड़े हुए हैं। वे किसी कि सुनने को तैयार नहीं है। दोनो ही देशों ने इसे अपनी नाक का सवाल बना लिया है। अब आशंका है कि कभी भी दोनों देशों के बीच जंग छिड़ सकती है। आशंकाएं जताई जा रही हैं कि इजरायल पर सोमवार को ईरान और हिजबुल्लाह हमला कर सकते हैं। खबर है कि इस संबंध में अमेरिका ने समकक्ष जी 7 देशों को चेतावनी भी दे दी है। इधर, कहा यह भी जा रहा है कि इससे पहले ही इजरायल भी अटैक को रोकने के लिए ईरान पर हमला कर सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगर इजरायल के सामने स्थिति साफ हो जाती है कि ईरान हमले की तैयारी कर रहा है, तो वह पहले ही स्ट्राइक पर विचार कर सकता है। रविवार शाम को ही प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायल के सुरक्षा प्रमुखों के साथ बैठक की थी। इस मीटिंग में रक्षा मंत्री योआव गैलांट, आइडीएफ प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हेरजी हलेवी, मोसाध प्रमुख डेविड बार्ने और शिन बेट चीफ रोनेन बार मौजूद थे।हाल ही में हमास प्रमुख इस्माइल हनियेह की ईरान की राजधानी तेहरान में एक हमले में मौत हो गई थी। इसके आरोप इजरायल पर लगाए जा रहे थे। हालांकि, इसपर इजरायल के अधिकारियों की तरफ से कुछ नहीं कहा गया था। अब एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, ब्लिंकेन ने इस बात पर जोर दिया है कि अमेरिका का मानना है कि ईरान और हिजबुल्लाह दोनों ही जवाबी कार्रवाई करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकेन ने जी 7 देशों से कहा है कि इजरायल के खिलाफ ईरान और हिजबुल्लाह का हमला आज से शुरू हो सकता है। ब्लिंकेन ने ईरान और हिजबुल्लाह पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका के करीबी सहयोगियों के साथ कॉन्फ्रेंस कॉल किया था, ताकि जवाबी हमले को कम से कम किया जा सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि हमलों के असर को सीमित करना ही युद्ध को रोकने का अच्छा मौका है। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि ब्लिंकेन का कहना है कि अमेरिका को हमले के समय की सटीक जानकारी नहीं है, लेकिन ऐसा अगले 24 से 48 घंटों में हो सकता है।

राज्य के 57 जलाशय पर हाई अलर्ट, 38 बांधों पर अलर्ट और 21 के लिए चेतावनी जारी

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात समेत ऊपरी हिस्सों में हो रही भारी बारिश के चलते राज्य के जलाशयों में नई जलराशि की व्यापक आय हो रही हैं गुजरात की जीवनरेखा मानी जाती सरदार सरोवर नर्मदा योजना में 60 प्रतिशत से ज्यादा पानी जमा हो गया हैं जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक सरदार सरोवर नर्मदा योजना में 204901 एमसीएफटी यानी कुल क्षमता का 61.33 प्रतिशत जल भंडारण हो चुका हैं वहीं राज्य के अन्य 206 जलाशयों में 3,25,972 एमसीएफटी जलराशि उपलब्ध हैं जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक कुल भंडारण क्षमता का 58.19 प्रतिशत रिकॉर्ड किया गया हैं राज्य में बारिश के परिणामस्वरूप 47 जलाशय पूरी तरह भर गए जबकि 10 जलाशय 90 से 100 प्रतिशत तक भरे होने पर हाई अलर्ट पर है।

इसके अलावा राज्य के 38 बांधों के 70 फीसदी से 100 फीसदी तक भरे होने पर अलर्ट किया गया हैं सरदार सरोवर समेत 21 बांधों को 50 से 70 फीसदी तक भरने की चेतावनी दी गई हैं अन्य 42 बांध 25 से 50 फीसदी तक भरे हैं आज सुबह 8 बजे की रिपोर्ट के मुताबिक ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण सबसे ज्यादा पानी की आय सरदार सरोवर में 92,867 क्यूसेक, उकाई योजना में 83,985 क्यूसेक, दमनगंगा में 53,456 क्यूसेक दर्ज की गई हैं दक्षिण गुजरात के 13 जलाशयों में 70.32 प्रतिशत, सौराष्ट्र के 141 जलाशयों में 52.68 प्रतिशत, कच्छ के 20 जलाशयों में 52.15 प्रतिशत, मध्य गुजरात के 17 जलाशयों में 45.26 प्रतिशत और उत्तर के 15 जलाशयों में 28.39 प्रतिशत पानी जमा हो चुका हैं

दंतेश्वर इलाके से एक व्यक्ति को विदेशी शराब के साथ पकड़ा गया

वडोदरा, 5 अगस्त

मकरपुरा पुलिस ने दंतेश्वर इलाके में बंसल मॉल के पीछे एक व्यक्ति को विदेशी शराब के साथ पकड़ा. शराब विक्रेता के न मिलने पर उसे वांछित घोषित कर दिया गया। पुलिस ने 26 हजार रुपये मूल्य की विदेशी शराब, बीयर और मोबाइल जब्त कर लिया.

मकरपुरा पुलिस की टीम वडोदरा शहर के दंतेश्वर इलाके में गश्त कर रही थी. इसी बीच सूचना मिली कि बंसल मॉल के पीछे किशन नगर में रहने वाले राजेश उर्फ भुंडो चौहान ने खुदरा बिक्री के लिए एक मात्रा में विदेशी शराब का ऑर्डर दिया है और इसाम मनीष नाम का व्यक्ति शथवां में शराब पहुंचाने आया है. तो पुलिस ने सूचना के मुताबिक ट्रंक पर छापा मारा. मनीष रंगेश राठवा (निवासी ग्राम मोसंगना, जिला कवात जिला छोटा उदेपुर) को घर के दर वाजा के पास पकड़ा गया. साथ ही घर में भारी मात्रा में विदेशी शराब और बीयर भी मिली. पुलिस को विदेशी शराब, बीयर और एक मोबाइल फोन मिला और ?26,000 का सामान जब्त किया गया. जबकि शराब मंगवाकर बेचने वाले राजेश उर्फ गुंडो लालाभाई चौहान को वांछित घोषित कर उसकी धरपकड़ के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है।

वलसाड और नवसारी में भारी बारिश, सीएम भूपेन्द्र पटेल ने आवश्यक निर्देश जारी किये

वलसाड ,5 अगस्त

दक्षिण गुजरात में भारी बारिश हो रही है. तब दक्षिण की अधिकांश नदियाँ दो किनारों पर बहती रही हैं। इसके चलते नवसारी और वलसाड के निचले इलाकों में पानी भर गया है. पानी भर जाने से कई लोगों को सिस्टम ने सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया है. मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को दक्षिण गुजरात के वलसाड और नवसारी जिलों में भारी बारिश से बने हालात की जानकारी मिली है. इसके साथ ही उन्होंने वलसाड और नवसारी के कलेक्टरों को भी निर्देश दिए हैं.

जिले की लोकमाता पूर्णा, अंबिका और कावेरी नदियों में भारी बारिश के कारण लगातार दो दिनों से नवसारी जिले और ऊपरी डांग जिले में बाढ़ आ गई है। जिसके परिणामस्वरूप तटों एवं निचले स्थानों पर बाढ़ आ जाने से जन-जीवन प्रभावित हुआ।

बाढ़ के पानी से जिले की 64 सड़कें बंद हो गयी हैं. सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है. हालात गंभीर होते देख सिस्टम भी सतर्क हो गया है.

आज सुबह गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने नवसारी और वलसाड के कलेक्टर से फोन पर वहां के हालात की जानकारी ली. इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने वलसाड और नवसारी के कलेक्टरों को जिले के गांवों के निचले इलाकों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और बाढ़ के कारण उत्पन्न स्थिति में सतर्कता और सतर्कता के साथ उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये.

यहां बता दें कि राज्य में बारिश की स्थिति के बीच पिछले 24 घंटों के दौरान दक्षिण गुजरात के नवसारी और वलसाड जिलों में सबसे ज्यादा बारिश हुई है. जिसमें नवसारी जिले के खेरगाम तालुका में नौ इंच और वलसाड जिले के धरमपुर और वलसाड तालुका में सात-सात इंच बारिश हुई है. जबकि डांग जिले के डांग-आहवा तालुका, वलसाड जिले के कपराडा तालुका और नवसारी जिले के चिखली और वांसदा, कुल चार तालुका में छह-छह इंच बारिश हुई है।

एसएसजी अस्पताल में एंबुलैंस के ड्राइवर ने लगाए मरीज को टांके

वडोदरा (ईएमएस) शहर के एसएसजी अस्पताल से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई हैं घटना का वीडियो वायरल होने के बाद लोग स्वास्थ्य सेवा को लेकर सवाल उठा रहे हैं सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में एक शख्स घायल मरीज को टांके लगा रहा हैं बताया जाता है कि यह शख्स एंबुलैंस का ड्राइवर हैं कुशल चिकित्सक के बजाए ड्राइवर द्वारा मरीज को टांके लगाने की घटना का वीडियो सामने आने के बाद लोगों में आक्रोश व्याप्त है और वह अस्पताल की लापरवाही पर सवाल उठा रहे हैं आखिर अस्पताल के भीतर घायल मरीज को एक ड्राइवर टांके कैसे लगा सकता है? इतने बड़े अस्पताल में क्या एक भी डॉक्टर मौजूद नहीं था जो मरीज काउपचार कर सके? एसएसजी अस्पताल पहली बार विवादों में नहीं है, पहलेभी ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिसमें अस्पताल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे थें अब जब एक घायल मरीज को टांके लगाते एंबुलैंस के ड्राइवर का वीडियो सामने आया तो लोगों में आक्रोश है और सवाल कर रहे हैं कि अस्पताल के डॉक्टर कहां थे, जो एक ड्राइवर को टांके लगाने को मजबूर होना पड़ा? इस वीडियो के वायरल होने पर प्रशासन हरकत में आ गया है और एंबुलैंस के ड्राइवर और मालिक का पता लगाने का आदेश दे दिया हैं

आदिजाति विद्यार्थियों के लिए गुजरात में विस्तृत हो रहे शिक्षा के क्षितिज

- सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में 28,000 से अधिक स्मार्ट क्लासरूम के जरिये आदिजाति बच्चों को मिल रही है स्मार्ट शिक्षा

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान राज्य के आदिजाति समाज की शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित किया था। उनके सबल नेतृत्व में राज्य के आदिजाति क्षेत्रों में विद्यालय शुरू किए गए तथा विद्यालयों में शिक्षकों की कमी न रहे; यह भी सुनिश्चित किया गया। आज गुजरात के आदिजाति विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के क्षितिजों का व्यापक विस्तार हुआ है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य के आदिजाति क्षेत्र के बच्चों व युवाओं को शाला प्रवेशोत्सव से लेकर विदेश में उच्च शिक्षा के लिए ऋण तक विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं के लाभ मिल रहे हैं। सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को स्मार्ट शिक्षा मुहैया कराने के लिए ज्ञानकुंज प्रोजेक्ट-स्मार्ट इंटरेक्टिव बोर्ड योजना के तहत गुजरात के आदिजाति क्षेत्रों को 7,408 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में 28,012 स्मार्ट क्लासरूम बनाए गए हैं। राज्य के सभी वर्गों के बच्चों तक प्राथमिक शिक्षा के लाभों का विस्तार करने के उम्दा उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2003 में अपने मुख्यमंत्रित्व काल में शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत कराई थी और आज गुजरात के सुदूरवर्ती आदिजाति क्षेत्रों के बच्चे भी शाला प्रवेशोत्सव के जरिये प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेश प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य में गत 26 से 28 जून, 2024 के दौरान 21वाँ शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसका प्रारंभ मुख्यमंत्री ने राज्य के आदिजाति जिले डांग से कराया था। 3 दिवसीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के दौरान आदिजाति क्षेत्र के अनेक बच्चों ने बालवाटिका तथा कक्षा 1 में प्रवेश प्राप्त कर शिक्षा की दुनिया में अपने कदम रखे हैं।

राज्य के आदिजाति क्षेत्रों शिक्षा की बढ़ती व्यापकता के विषय में आदिजाति विकास राज्य मंत्री कुबेर डिंडोर ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा आदिवासी समाज में शिक्षा की व्यापकता बढ़ाने पर बल दिया है और आदिजाति लोगों को मुख्य धारा में लाने के प्रयास किए हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में आज गुजरात में आदिजाति क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं के लाभ आदिजाति विद्यार्थियों को मिलने लगे हैं। ज्ञानकुंज प्रोजेक्ट के अंतर्गत आदिजाति क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में 28 हजार से अधिक स्मार्ट क्लासरूम बनाए गए हैं। 12 लाख से अधिक विद्यार्थियों को प्री-मैट्रिक तथा लगभग 2.50 लाख विद्यार्थियों को पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के लाभ दिए गए हैं। राज्य सरकार के प्रयासों के फलस्वरूप आदिजाति समाज में शिक्षा के स्तर में सुधार आया है और आज आदिवासी बच्चे-युवा पढ़-लिख कर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं।"

राज्य के आदिजाति क्षेत्रों में अनेक प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय कार्यरत : गुजरात में आदिजाति क्षेत्रों में शिक्षा की व्यापकता बढ़ाने के ले 8,035 प्राथमिक विद्यालय, 1,064 माध्यमिक विद्यालय तथा लगभग 509 उच्च शिक्षा विद्यालय कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त; 661 आश्रम शालाएँ, 75 आदर्श निवासी शालाएँ और 71 कस्तूरबा गांधी बालिका

मनी सॉल्यूशंस के मैनेजर पर 20 से ज्यादा लोगों से धोखाधड़ी करने का आरोप

बड़ौदाः वडोदरा के अक्षर चौक सिग्नेट हब में मनी सॉल्यूशन नाम से ऑफिस चलाने वाले मैनेजर ने लोन दिलाने का लालच देकर लोगों से ठगी की, पीड़ितों ने मनी सॉल्यूशन के ऑफिस पहुंचकर अपना गुस्सा जाहिर किया.

राजीव चोबे नाम के शख्स ने लोन दिलाने का लालच देकर 20 से ज्यादा लोगों से ठगी की. पीड़ित सोमवार को अक्षर चौक के पास सिग्नेट हब स्थित मनी सॉल्यूशंस के ऑफिस पहुंचे, लेकिन थाने में शिकायत दर्ज कराने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई. हालांकि कोई मौजूद नहीं था, लेकिन पीड़ितों ने जालसाज राजीव चोबे को मीडिया के सामने उजागर कर दिया। लोगों ने बताया कि राजीव नाम के व्यक्ति ने सिग्नेट हब में मनी सॉल्यूशन नाम से ऑफिस खोला है। जो लोगों को तुरंत लोन देने का लालच देता था और जैस्मीन को वाघोडिया चौकड़ी के पास मोबाइल की दुकान पर ले जाता था। जहां मंघादत महंगे मोबाइल फोन पर लोन लेकर एक निश्चित रकम ही चुकाता था और उसने हमारे नाम पर लाखों रुपये का लोन ले रखा है.

कई लोगों ने मोबाइल, मकान के लिए पर्सनल लोन समेत कंज्यूमर लोन भी ले रखा है. यहां अहम बात यह है कि 20 से ज्यादा लोगों से लाखों रुपये की ठगी करने वाला राजीव वीरेंद्र चोबे खुद मानव अधिकार के शिकायतकर्ता संघ का उपाध्यक्ष है. फिलहाल सिग्नेट हब स्थित मनी सॉल्यूशंस के दफ्तर पर ताला लगा हुआ है और मैनेजर फरार हैं. इससे पहले पूरे मामले में पीड़ितों द्वारा जे.पी. थाने में शिकायत दर्ज कराने के बावजूद आज तक कोई कार्रवाई नहीं होने पर पीड़ित मनी सॉल्यूशन के कार्यालय पहुंचे।

मुजामहुदा की निजी फाइनेंस कंपनी ने लोन के नाम पर कई लोगों को फंसाया

वडोदरा के मुज महुदा इलाके में एक निजी फाइनेंस कंपनी के कार्यालय पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने लोन देने के नाम पर कई लोगों से धोखाधड़ी की है.

मुज महुदा के सिग्नेट हब स्थित मनी सॉल्यूशन कार्यालय के प्रबंधकों के खिलाफ लोगों ने आरोप लगाया है कि उन्होंने कार्यालय के प्रबंधक राजीव चोबे से संपर्क किया, क्योंकि हमें एक छोटे ऋण की आवश्यकता थी। हमसे दस्तावेज़ प्राप्त किए गए और वाघोडिया रोड बापोड क्षेत्र में एक निजी बैंक में ले जाया गया। हमें ऋण के तहत प्राप्त राशि से कई गुना अधिक का ऋण दिखाया जा रहा है।

एक महिला ने कहा कि रु. उन्होंने मुझे 2 लाख के लोन के बदले केवल 40,000 रुपये दिए. अब मुझे चुनौती दी जा रही है. एक युवक ने कहा, मुझे 20 हजार रुपये मिले थे, जिसके एवज में अब 70 हजार का लोन दिखाया जा रहा है।

इस प्रकार जिन लोगों को राशि और उससे कहीं अधिक ऋण प्राप्त हुआ है, उन्हें दिखाया जा रहा है और बैंक ऋण राशि की मांग कर रहे हैं। लेकिन जिस फाइनेंस कंपनी ने हमें लोन दिया था, उसके मैनेजर पहले जैसा जवाब नहीं देते और अब तो ऑफिस भी बंद कर देते हैं और फोन भी नहीं उठाते। इसकी सूचना पहले भी पुलिस को दी गई थी लेकिन पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

कॉमर्स संकाय में प्रवेश का सवाल अब भी विवादों में 500 सीटों पर स्थानीय छात्रों को प्राथमिकता देने की मांग

वडोदरा, 5 अगस्त

विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय में अभी भी बची हुई 500 रिक्त सीटों पर वडोदरा के स्थानीय छात्रों को प्रवेश देने की मांग को लेकर प्रवेश से वंचित कई छात्र विश्वविद्यालय कार्यालय पहुंचे। एफआर के एक पूर्व छात्र नेता ने एजीएसयू के माध्यम से प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय कार्यालय में एक आवेदन जमा किया था।

बता दें कि कॉमर्स में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने से पहले प्रवेश के इच्छुक सभी स्थानीय विद्यार्थियों को प्रवेश के बाद अब तक प्रवेश मिल जाता था, लेकिन विश्वविद्यालय के नए एक्टके मुताबिक स्थानीय विद्यार्थी प्रवेश से वंचित रह जाते थे। एफआर पंकज जयसवाल ने कहा है कि वाणिज्य संकाय में अभी भी करीब 500 सीटें खाली हैं. इन सभी सीटों पर स्थानीय छात्रों को प्रवेश देने की मांग के साथ-साथ प्रवेश से वंचित कई छात्रों के साथ एजीएसयू के प्रवेश मुद्दे पर विश्वविद्यालय कार्यालय ने आज आंदोलन शुरू कर दिया. उन्होंने याचिका में मांग की कि वाणिज्य संकाय में अभी भी करीब 500 सीटें खाली हैं. इन सभी रिक्त सीटों पर वडोदरा के स्थानीय छात्रों को तत्काल आधार पर प्रवेश देने की मांग की गई है।

गुजरात में अगले 7 दिनों तक रहेगा बरसाती माहौल, कई जिलों में भारी बारिश की संभावना

अहमदाबाद (ईएमएस) मौसम विभाग ने अगले 7 दिनों तक राज्य में बरसाती माहौल रहने की भविष्यवाणी की हैं साथ ही इस दौरान राज्य के कई जिलों में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना व्यक्त की हैं मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार को दक्षिण गुजरात के नवसारी, वलसाड, दमन और दादरा नगर हवेली के साथ ही उत्तर गुजरात के बनासकांठा तथा साबरकांठी में भारी बारिश की संभावना हैं 7 अगस्त को बनासकांठा, साबरकांठा, पाटन, मेहसाणा, गांधीनगर, अरवल्ली, गांधीनगर, अहमदाबाद, खेडा, वडोदरा, भरुच, सूरत, नवसारी, तापी, वलसाड समेत सौराष्ट्र-कच्छ में बारिश होगीं 8 अगस्त को भी गुजरात के कई जिलों में भारी बारिश की संभावना हैं खासकर सौराष्ट्र के जिलों में गरज के साथ बारिश होगीं इसके अलावा बनासकांठा, साबरकांठा, पाटन, मेहसाणा, गांधीनगर, अहमदाबाद, खेडा, आणंद, वडोदरा, भरुच, सूरत, नवसारी में भी गरज के साझ हलके से मध्यम बारिश होगीं गुजरात में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका के चलते मछुआरों को भी समुद्र में न जाने की हिदायत दी गई हैं भारी बारिश के चलते वलसाड में औरंगा नदी भी खतरनाक स्तर को पार गई हैं वलसाड से 40 गांवों को जोड़ने वाला रास्ता बंद होने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं ऑफशोर ट्रफ के कारण गुजरात में बारिश का सिस्टम सक्रिय हो गया है और इस कारण राज्य में बारिश की तीव्रता बढ़ गई हैं दक्षिण गुजरात के नवसारी जिले में भी भारी बारिश से हालात बिगड़ गए हैं घोल गांव के बेट में तब्दील होने से 1 हजार लोग प्रभावित हुए हैं गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने नवसारी, वलसाड के हालात पर जानकारी हासिल की है और लगातार नजर रखे हुए हैं

माता-पिता के सम्मान में जुटे करीब 5 सौ परिवार

सूरत,(ईएमएस)। माता-पिता को देवतुल्य मानने और उनका सम्मान करने के लिए 490 परिवारों के सदस्य एकत्र हुए। दरअसल मातृ-पितृ वंदन कार्यक्रम का अयोजन किया गया था, जिसमें माता-पिता का आदर और सत्कार किया गया।

यह तो सत्य है कि परिवार में प्रथम गुरु माता-पिता ही होते हैं और उसके बाद शिक्षक और मार्गदर्शकों का नंबर आता हैं। ये ऐसे सम्माननीय सदस्य होते हैं जो हमें बोलना, चलना, खाना-पीना और उचित व्यवहार करना सिखाते हैं। इनका ऋण चुकाने और आभार व्यक्त करने के लिए ही यहां मातृ-पितृ वंदन कार्यक्रम बड़े स्तर पर आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में 490 परिवारों के करीब 3300 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने माता-पिता का सम्मान करते हुए उनकी पूजा की। यह सब देख कार्यक्रम में मौजूद अनेक लोग भावुक हो द्रवित हो गए। दरअसल इनके माता-पिता इस संसार से पहले ही जा चुके थे, और उन्हें इस तरह का सम्मान करने का अवसर प्राप्त नहीं हो सका।

सूरत हीरा उद्योग में मंदी की स्थिति, हीरा कारखाने में 10 दिन की छुट्टी की घोषणा

सूरत,5 अगस्त

सूरत के हीरा उद्योग में मंदी का माहौल है. रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास युद्ध के कारण अमेरिका समेत कई देशों पर इसका असर दिख रहा है. जहां तक हीरा उद्योग की बात है तो अगस्त में पहली बार 10 दिन की छुट्टी की घोषणा की गई है। बड़ी-बड़ी फ़ैक्टरियों में छुट्टियाँ दे दी जाती हैं। हीरा उद्योग पिछले 3 साल से मंदी में है। भारत से 60 प्रतिशत हीरे अमेरिका को निर्यात किये जाते हैं।

आभूषण निर्माता दुनिया भर में निर्यात भी करते हैं, लेकिन कई देशों में मौजूदा मंदी के कारण हीरे और आभूषणों की मांग कम हो गई है। जिसका सीधा असर सूरत के हीरा उद्योग पर देखने को मिल रहा है.एक प्रमुख हीरा फैक्ट्री ने 17 अगस्त से 28 अगस्त तक 10 दिन की छुट्टी की घोषणा की है। सूरत के हीरा उद्योग में पहली बार अगस्त महीने में 10 दिन की छुट्टी रखी गई है.

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 53 हजार आंगन वाड़ियों में 3.15 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को गांधीनगर में आंगनवाड़ी के बच्चों के साथ पौधे लगाकर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत समग्र राज्य की 53,065 आंगनवाड़ियों में पौधरोपण के अभिनव प्रयोग का शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में विश्व पर्यावरण दिवस पर देशवासियों से पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के माध्यम से ग्लोबल वॉर्मिंग की चुनौति यों से निपटने के लिए पौधे लगाने और उसकी देखभाल के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान चलाने का आह्वान किया है। इस अभियान के पीछे प्रधानमंत्री का आशय यह है कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी मां की स्मृति में या अपनी माता के साथ मिलकर एक पौधा लगाए और धरती माता के पर्यावरण की रक्षा करे और ग्रीन कवर में वृद्धि को बढ़ाए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री के इस पर्यावरण प्रिय विचार को साकार करने के लिए गुजरात में इस अभियान के तहत वन विभाग एवं संबंधित विभागों के जरिए आगामी सितंबर-2024 तक 12.20 करोड़ एवं मार्च-2025 तक 17 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री ने राज्य की आंगनवाड़ियों के नन्हे बच्चों में बचपन से ही पर्यावरण संरक्षण, वृक्ष प्रेम और पौधों की देखभाल एवं संवर्धन की आदत विकसित करने के लिए पर्यावरण संरक्षण उन्मुख दृष्टिकोण अपनाया है। मुख्यमंत्री ने इस उद्देश्य से महिला एवं बाल कल्याण विभाग को राज्य की 53,065 आंगन वाड़ियों में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत बड़े पैमाने पर पौधरोपण करने की प्रेरणा दी थी। तदअनुसार, मुख्यमंत्री ने श्रावण महीने के पहले दिन गांधीनगर के सेक्टर-3 ए स्थित आंगनवाड़ी में बच्चों के साथ पौधे लगाकर इस राज्यव्यापी अभियान की शुरुआत की। 'एक पेड़ मां के नाम' के अंतर्गत शुरू किए गए इस अभियान के तहत राज्य की सभी आंगनवाड़ियों में कुल मिलाकर 3.15 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आंगनवाड़ी के बच्चों के साथ स्नेहपूर्वक बातचीत की। उन्होंने फलदार पौधों का वितरण भी किया और टेक होम राशन से बने व्यंजनों का निदर्शन बड़ी रुचि के साथ देखा। इस अभियान के पीछे प्रधानमंत्री का आशय यह है कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी मां की स्मृति में या अपनी माता के साथ मिलकर एक पौधा लगाए

कांग्रेस ने जीएमसी के वार्ड नंबर 3 की सीट को लेकर भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप

अहमदाबाद (ईएमएस) कांग्रेस ने गांधीनगर नगर निगम (जीएमसी) के वार्ड नंबर 3 की सीट को लेकर कांग्रेस पार्टी ने सत्तारूढ़ बीजेपी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोशी ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जीएमसी के वार्ड नंबर 3 की अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीट से एक भाजपा समर्थक उम्मीदवार ने अनुसूचित जनजाति के झूठे दस्तावेज जमा करके चुनाव जीता।

कांग्रेस ने इस मामले में उचित जांच और मेंडेट देने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की हैं कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोषी ने कहा कि गांधीनगर नगर निगम के वार्ड नंबर 3 की सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं इस सीट पर भाजपा प्रत्याशी भरत गोहिल जो कि राजस्थानी हैं और उन्होंने साल 2016 में गुजरात से अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र बनवाया था और इसके साथ नगर निगम वार्ड नंबर 12 से अन्य फर्जी दस्तावेज भी जमा किये थे और 3 चुनाव जीतें

हालांकि तत्कालीन कांग्रेस उम्मीदवार मेहुल गामित ने इस चुनाव का विरोध किया थां उन्होंने कहा कि साल 2018 में सरकार ने एक कानून जारी किया थां चुनाव में प्रस्तुत किये गये प्रमाणपत्रों का सत्यापन करना सरकारी विभाग का काम है। यह जिम्मेदारी कलेक्टर गांधीनगर और राज्य चुनाव आयोग की है। मनीष दोशी ने आगे कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार को जानकारी न देने के लिए कई तर्क दिए गए। नकली अनुसूचित जनजाति से भाजपा पार्षद बने। कमेटी ने सारी रिपोर्ट सरकार के दबाव में तैयार की है। लेकिन इस रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गयां मनीष दोशी ने कहा हमारी मांग है कि सरकार रिपोर्ट को सार्वजनिक करे और झूठे सबूतों पर सरकारी लाभ पाने वाले के खिलाफ कार्रवाई की जाएं कांग्रेस की यह भी मांग है कि मेंडेट देने वाले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिएं कांग्रेस प्रवक्ता ने जीएमसी के वार्ड नंबर 3 की अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीट से एक भाजपा समर्थक उम्मीदवार ने अनुसूचित जनजाति के झूठे दस्तावेज जमा करके चुनाव जीता।

वैस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया ने अंग-विच्छेदन मुक्त भारत के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए वडोदरा में वॉकथॉन का आयोजन किया

वडोदरा, 04 अगस्त, 2024: राष्ट्रीय संवहनी दिवस के अवसर पर, विच्छेदन की रोकथाम और संवहनी स्वास्थ्य जागरूकता के महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया (वीएसआई) द्वारा वडोदरा में एक वॉकथॉन का आयोजन किया गया। वॉकथॉन में 300 से अधिक निवासियों की उत्साही भागीदारी देखी गई, जो इस उद्देश्य में शामिल होने के लिए आदिकुरा अस्पताल में एकत्र हुए। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय वॉकथॉन का एक हिस्सा था, जिसमें वडोदरा सहित 30 शहरों के 15,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए थे।

इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, वैस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया के सचिव डॉ तपीश साहू ने कहा, "हमारा उद्देश्य एक व्यापक संवहनी स्वास्थ्य देखभाल ढांचे की स्थापना करके सामुदायिक स्वास्थ्य को बढ़ाना है, जो अंग विच्छेदन मुक्त भारत के लिए प्रयास कर रहा है। पूरे देश में जबरदस्त प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक है। इतने महत्वपूर्ण उद्देश्य के लिए इतने सारे लोगों को एक साथ आते देखना प्रेरणादायक है। वॉकथॉन न केवल संवहनी स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालता है बल्कि परिवर्तन लाने में समुदाय की शक्ति को भी रेखांकित करता है।

25 हजार की रिश्वत लेते धरे गए पुलिस कांस्टेबल समेत दो लोग

राजकोट (ईएमएस) एन्टी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) शहर की पंचायत पुलिस चौकी में सेवारत पुलिस कांस्टेबल समेत दो लोगों को रु. 25000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोच लिर्यां रिश्वत लेने के आरोप में पकड़ा गया दूसरा शख्स कानून की पढ़ाई कर चुका है, परंतु सनद नहीं मिर्लीं जानकारी के मुताबिक राजकोट निवासी एक शख्स के खिलाफ शहर के यूनिवर्सिटी पुलिस थाने में शिकायत की गई थीं इस मामले की जांच शहर के पंचायत पुलिस चौकी में सेवारत पुलिस कांस्टेबल विपुल ओळकिया कर रहा थां जिस शख्स के खिलाफ शिकायत की गई थी, उस पर कानूनी कार्यवाही नहीं करने के बदले में विपुल ओळकिया ने रु. 25000 की रिश्वत मांगी थीं विपुल ओळकिया ने रिश्वत की रकम रु. 25000 भाविन रुधाणी को दे जाने को कहा थां भाविन रुधाणी वही शख्स है, जिसने कानून की पढ़ाई की हैं हांलाकि शिकायतकर्ता रिश्वत देना नहीं चाहता था, इसलिए उसने एसीबी से संपर्क कियां शिकायत मिलने पर एसीबी ने जाल बिछाया और पंचायत पुलिस चौकी से विपुल ओळकिया और भाविन रुधाणी को उस समय धर लिया, जब दोनों रिश्वत की रकम रु. 25000 ले रहे थें जानकारी है कि विपुल ओळकिया पहले अहमदाबाद पुलिस विभाग में सेवारत थां हांलाकि तबादला होने के बाद पिछले काफी समय से राजकोट में कार्यरत हैं

हेयर सैलून की आड़ में विदेशी शराब का कारोबार करते एक युवक को पकड़ा गया

अहमदाबाद, 5 अगस्त

अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस ने शहर के भोपाल इलाके में हेयर सैलून चलाने वाले एक युवक के घर से बड़ी मात्रा में ब्रांडेड विदेशी शराब जब्त की। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार युवक काफी समय से साउथ भोपाल में हेयर सैलून में आने वाले अपने ग्राहकों को शराब सप्लाई कर रहा है. पुलिस ने इस संबंध में आगे की जांच की है. अहमदाबाद ग्रामीण स्थानीय अपराध शाखा के पीआईआरएन करमटिया और उनके स्टाफ को सूचना मिली कि दक्षिण भोपाल के आरोही एलीसियम अपार्टमेंट में रहने वाला मयूर अद्रोजा नाम का युवक अपने घर में बड़ी मात्रा में शराब रखता है और उसे भोपाल और आसपास के इलाकों में ग्राहकों को सप्लाई करता है। जिसके आधार पर रविवार को छापेमारी कर बेडरूम में छिपाकर रखी गयी करीब 120 बोतल विदेशी शराब बरामद की गयी. जो ब्रांडेड शराब थी. इस बारे में जानकारी करने पर पता चला कि इतनी मात्रा में शराब राजस्थान के गुलाब सिंह से मंगवाई गई थी। मयूर का दक्षिण भोपाल में हेयर सैलून था। जहां वह ग्राहकों को शराब की सप्लाई करता था. पुलिस ने इस संबंध में आगे की जांच की है.

PUBLIC NOTICE

I, Premkumar Dileepkumar Rajdev Age: 19 years R/O Shri Ram Nagar Soc. Warasiya Vadodara. In my Indian Nationality Certificate my name is wrongly written as my name as kumar prem Dileepkumar. I Want my passport to be according to my real name premkumar Dileepkumar Rajdev. All that is said above is true ad correct according to my records and knowledge, which I declare on oath.
Date: 03-08-2024, Vadodara.

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96